



स्कूल में मारे गए बच्चों की तस्वीरें प्लेन में लेकर इस्लामाबाद पहुंचा ईरानी प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। गालिबाफ ने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी हैं, जिनके साथ उनके खून से सने स्कूल बैग और जूते रखे हैं और फूल भी रखा है। ईरानी शहर मिनाब में जंग के पहले ही दिन 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। इनमें बच्चे और स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। इस हमले का आरोप अमेरिका और इजराइल पर लगाया गया था। अमेरिका ने कहा कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं। बाद में ईरान ने अमेरिकी नौसेना के दो कर्मियों यूएसएस स्प्राउंस के कर्मांडर ली आर. टेट और कार्यकारी अधिकारी जेफरी ई. यॉर्क - की तस्वीरें भी जारी कीं, जिनके बारे में उसका दावा था कि उन्होंने हमले को अधिकृत किया था। ईरान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया है, जिसने अमेरिका से अपनी जांच पूरी करने और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई

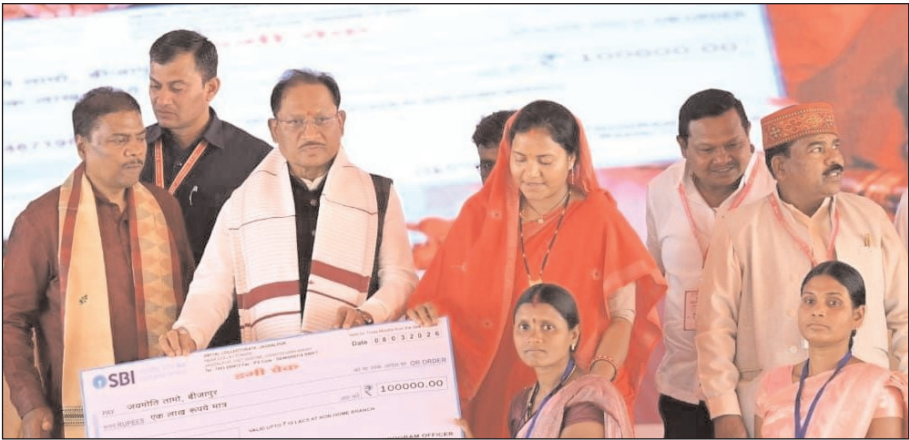


करके पीड़ितों को न्याय दिलाने का आग्रह किया है।पाकिस्तान में हो रही अमेरिका-ईरान वार्ता में ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गालिबफ़ कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री अब्बास अराकची, इस्लामिक रिबोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के पूर्व कर्मांडर मोहम्मद बगेर जोलगाद, सेंट्रल बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेराती और अन्य अधिकारी शामिल हैं। दुनिया वार्ता के

नतीजों का इंतज़ार कर रही है, वहीं ईरान ने संकेत दिया है कि वह वार्ता को लेकर सतर्क है और कहा है कि अमेरिका के साथ बातचीत में उसे केवल टूटे वादे ही मिले हैं। इस्लामाबाद पहुंचने के बाद ईरानी संसद अध्यक्ष ने कहा कि हमारी मंशा अच्छी है, लेकिन हमें भरोसा नहीं है... अमेरिकियों के साथ बातचीत का हमारा अनुभव हमेशा असफलता और टूटे वादों से भरा रहा है।

आर्मी चीफ ने एयरपोर्ट पर रिसीव किया

अमेरिका के साथ शांति पर बातचीत के लिए ईरान का डेलिगेशन शुक्रवार देर रात पाकिस्तान पहुंचा। इसकी अगुआई ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं।पाकिस्तान के पूर्व एयर मार्शल मसूद अख्तर का मानना है कि अमेरिका की पहली प्राथमिकता इस बातचीत में होमूज को फिर से खोलना है। उनके अनुसार, कम से कम यही अमेरिका का अहम मकसद है।उन्होंने अल जजीरा से बात करते हुए कहा कि अमेरिका यह भी चाहता है कि परमाणु निरीक्षकों को ईरान के ठिकानों का दौरा करने की अनुमति मिले।अख्तर के मुताबिक, ईरान अपने मुख्य मुद्दों जैसे परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल भंडार पर अपना रुख नहीं बदलेगा। वहीं, ईरान लेबानान और यमन में अपने सहयोगी समूहों को लेकर बातचीत में कुछ नरमी दिखा सकता है।



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी गौरव वर्ष महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का व्यापक अभियान है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आंगनबाड़ी संचालन के लिए 800 करोड़ रुपए, पूरक पोषण आहार के लिए 650 करोड़ रुपए तथा कुपोषण मुक्ति व पोषण अभियान के लिए 235 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

सपनों को साकार करेगा नारी शक्ति वंदन बिल : नितिन

नईदिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने 31 जनवरी, 2026 को महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि लोकसभा में महिला विधायकों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों के अनुरूप है। नबीन के साथ भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, दुष्यंत कुमार गौतम और तरुण चुभ भी नई दिल्ली में फुले को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए मौजूद थे।

महात्मा ज्योतिराव फुले महाराष्ट्र के एक भारतीय

समाजसेवी, सुधारक और लेखक थे, जिनका जन्म 11 अप्रैल, 1827 को सतारा में हुआ था। उन्हें जाति व्यवस्था के उन्मूलन, महिला शिक्षा को बढ़ावा देने और शोषितों के सशक्तिकरण के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने अनुयायियों के साथ मिलकर सत्यशोधक समाज की स्थापना की ताकि किसानों और निम्न जाति के लोगों को समान अधिकार मिल सकें।

मोडिया से बात करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि समाज



सुधार में उनके योगदान के लिए देश आज भी उन्हें याद करता है। पहले बालिका विद्यालय की स्थापना से लेकर सती प्रथा के उन्मूलन में उनकी भूमिका तक, हमारा मानना है कि यह आज भी प्रासंगिक है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान से लेकर उन्हें

आत्मनिर्भर बनाने, शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने और नारी वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने तक, प्रधानमंत्री मोदी ये सभी कार्य कर रहे हैं। 33 प्रतिशत आरक्षण ज्योतिराव फुले के आदर्शों के अनुरूप होगा।

केंद्र सरकार लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने के लिए संशोधन लाने का योजना बना रही है, जिसमें कम से कम 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में लोकसभा में 543

सीटें हैं; प्रस्तावित 50 प्रतिशत वृद्धि के साथ, सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिनमें से लगभग एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में संशोधन विधेयक के मसौदे को पहले ही मंजूरी दे दी है, जिससे 2029 के लोकसभा चुनावों में इसे लागू करना आसान हो जाएगा। प्रस्तावित संशोधन संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है।

प्रमुख समाचार

स्टालिन परिवार चला रहा है माफिया राज : पीयूष गोयल

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने चेन्नई में भाजपा के नए मोडिया केंद्र का उद्घाटन किया, जिसे उन्होंने पार्टी और मोडिया के बीच संवाद का सेतु बताया, यह कदम तमिलनाडु चुनावों से पहले भाजपा की संचार रणनीति को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस अवसर पर उन्होंने एनडीए

गठबंधन की जीत का भरोसा जताते हुए डीएमके और स्टालिन परिवार पर माफिया चलाने का गंभीर आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने 11 अप्रैल को चेन्नई में भाजपा के एक मोडिया केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे भाजपा और मोडिया पेशेवरों के बीच एक सेतु बताया, जिसका उद्देश्य पार्टी और मोडिया के बीच संवाद को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र आधुनिक सुविधाओं और डिजिटल कनेक्टिविटी से सुसज्जित है और मोडिया की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह केंद्र सीधे सामग्री अपलोड और प्रसारित करने के साथ-साथ साक्षात्कार और संवाद की सुविधा भी प्रदान करता है।

जमीन के बदले नौकरी : लालू ने दिल्ली हाईकोर्ट को दी चुनौती

नईदिल्ली। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने जमीन के बदले नौकरी भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ 13 अप्रैल को याचिका पर सुनवाई करेगी। इससे पहले,

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रविंद्र दत्त देजा ने लालू की एफआईआर और उनके खिलाफ दायर आरोपपत्रों को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने मामले में दायर तीन आरोपपत्रों को बरकरार रखा और निचली अदालत द्वारा मामले का संज्ञान लेने की बात स्वीकार की। यह मामला लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते हुए 2004 से 2009 तक हुए कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है। अधिकारियों का दावा है कि जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य जोन में, कथित तौर पर उपहार में दी गई या हस्तांतरित जमीन के बदले ग्रुप डी रेलवे की नौकरियां आवंटित की गईं।

आशा भोसले को पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले को शनिवार यानी 11 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ा है। उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गायिका का इलाज चल रहा है। डॉक्टर और आशा भोसले की पोती ने उनका हेल्थ अपडेट साझा किया है। ब्रीच कैंडी

अस्पताल के डॉक्टर ने साझा की जानकारी आशा भोसले का इस वक्त मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज यूनिट में इलाज चल रहा है। यह जानकारी ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉक्टर प्रतीत समदानी ने अमर उजाला के साथ साझा की है। आशा भोसले की पोती जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए हेल्थ अपडेट साझा किया है। वह लिखती हैं, 'अत्यधिक थकावट और सीने में संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि हमारी निजता का सम्मान करें। उनका इलाज चल रहा है और उम्मीद है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। हम आपको जल्द ही अच्छी खबर देंगे।'

शुक्रिया दोस्त भारत: ईरान ने मदद के लिए जताया आभार

नई दिल्ली। पाकिस्तान में जारी कूटनीतिक वातााओं के बीच भारत द्वारा भेजी गई मानवीय सहायता पर ईरान ने खुले तौर पर आभार व्यक्त किया है। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक भारत और उसकी जनता का एहसानमंद रहेगा। भारत ने हाल ही में चिकित्सा सामग्री की दूसरी

खेप रेड क्रिसेंट सोसाइटी के भेजी है। इस सहायता में जरूरी दवाएं, जीवनरक्षक उपकरण, कंबल, प्लास्टिक शीट और खाद्य सामग्री शामिल हैं। राजदूत फथाली ने अपने संदेश में भारतीय जनता की संवेदनशीलता और सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि मुश्किल समय में भारत के लोगों ने जिस तरह की दयालुता दिखाई है, वह सराहनीय है। उन्होंने भारत सरकार को भी आवश्यक सामग्री भेजने के लिए धन्यवाद दिया। इस बीच नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने एक महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए लोगों से आर्थिक योगदान भेजने से परहेज करने की अपील की है। दूतावास ने स्पष्ट किया कि पहले जिन बैंक खातों को सहायता राशि प्राप्त करने के लिए निर्धारित किया गया था।

भारत के जहाजों की रफ्तार पर ब्रेक

नईदिल्ली। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होमूज स्ट्रेट में वर्तमान में 16 भारतीय-ध्वज वाले जहाज फंसे हुए हैं। ईरानी अधिकारियों से बातचीत के बाद जल्द ही 5-6 जहाजों का पहला बैच इस जलमार्ग को पार कर सकता है। पश्चिम एशिया में हालिया तनाव और सीजफायर के बाद रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होमूज स्ट्रेट से समुद्री आवाजाही फिर से शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, 5 अप्रैल के बाद से अब तक कोई भी भारतीय-ध्वज वाला जहाज होमूज को पार नहीं कर पाया है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय नौसेना वर्तमान में हालात पर बारीकी से नजर बनाए हुए है और सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही जहाजों को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। वर्तमान में 16 भारतीय झंडे वाले जहाज होमूज के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं। इनमें एलएनजी, एलपीजी , कच्चे तेल के वाहक, कंटेनर पोत और ड्रेजर तथा रासायनिक पदार्थ ले जाने वाले जहाज शामिल हैं।

पाकिस्तान की मध्यस्थता लेकिन असली खेल तो मुनीर का है!

आदिति फडणीस
खबरों में कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशराक डार अपने देश के सहयोगियों को एकजुट करने और ईरान तथा अमेरिका को स्थायी रूप से युद्ध विराम के लिए राजी करने के वास्ते लगातार टेलीफोन पर बातचीत कर रहे हैं। लेकिन इन वार्ताओं में असली ताकत निस्संदेह फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के हाथ में है। मुनीर पाकिस्तान के इतिहास में केवल दूसरे फील्ड मार्शल हैं। लेकिन वह सिर्फ फील्ड मार्शल ही नहीं हैं, वह सेना प्रमुख (सीओएएस) और रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) भी हैं। यह

सब पिछले साल पारित पाकिस्तान के संविधान के 27वें संशोधन के जरिये किया गया। संशोधन किसी भी पांच सितारा सैन्य अधिकारी को अभियोजन से अजमान छूट प्रदान करता है। यह रैंक वर्तमान में केवल मुनीर के पास है। सीडीएफ को हटाने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है (निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाने के लिए केवल साधारण बहुमत ही पर्याप्त होता है)। यह रैंक मुनीर को वायु सेना और नौ सेना बलों से ऊपर रखता है। सीडीएफ के रूप में, वह सामरिक योजना प्रभाग पर पूर्ण कमान रखते हैं, जो पाकिस्तान के परमाणु भंडार का प्रबंधन करता है। वह साल 2022 से

सेना प्रमुख का पद संभाल रहे हैं। उनके पद में तब्दीली करते हुए सीडीएफ के रूप में उनका कार्यकाल पांच साल के लिए 2030 तक बढ़ा दिया गया है। पाकिस्तान में 2029 में आम चुनाव होंगे। यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि इसे पांच साल के लिए क्यों बढ़ाया गया है, चार या तीन साल के लिए क्यों नहीं। इन सभी सावधानियों की क्या जरूरत थी? जरा उन परिस्थितियों पर गौर कीजिए जिनमें वह सेना प्रमुख बने। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री इमरान खान ने मुनीर को इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक के पद से हटाकर उनकी



जगह फैज हमीद को नियुक्त कर दिया। मुनीर को क्वार्टर मास्टर जनरल (क्यूएमजी) बनाकर पदावनत कर दिया गया, जो किसी भी पाकिस्तानी (या किसी भारतीय के मामले में भी) सेना अधिकारी के लिए अपमानजनक पदावनति मानी जाती है। मुनीर ने अपनी नौकरी इसलिए

खोई क्योंकि उन्होंने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को उनके घर में चल रहे भ्रष्टाचार के बारे में बताया था, जिसमें खान की पत्नी बुशरा बीबी को दोषारोपित किया गया। जब शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने हमीद को जेल भेज दिया, जो एक तीन सितारा अधिकारी के कोर्ट-मार्शल का एक दुर्लभ मामला था, और मुनीर को एक दुर्लभ पद पर नियुक्त कर दिया।मुनीर ने तेजी से कदम उठाए। उन्होंने अफगानिस्तान और तालिबान शासन पर एक निर्णायक नीति की रूपरेखा तैयार की, जो कथित तौर पर कानुन के संरक्षण में काम कर रहे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की

कार्रवाइयों से नाराज थे। उन्होंने मध्य एशिया, खाड़ी देशों और ईरान के संबंध में पाकिस्तान की नीति को फिर से परिभाषित किया। उनके व्यक्तित्व में एक और खूबी है। वह हाफिज़ हैं, जिसका अर्थ है कि उन्होंने कुरान की हर आयत को याद कर रखा है। अपने करियर के शुरुआती दौर में रियाद में पाकिस्तान के 2डिफेंस अताशे के रूप में उन्होंने कई स्थायी संबंध बनाए और स्थानीय मोडिया को बताया कि उन्होंने अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद वहीं रुककर कुरान की अपनी समझ और स्मृति को ताजा करने का फैसला किया।उनकी सैन्य कुशलता में इससे कितना इजाफा हुआ

है, यह शायद हम कभी न जान पाएं। लेकिन इससे 'इस्लामी कूटनीति' का एक नया दौर शुरू हो गया है, जिससे पाकिस्तान खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और इस्लामी सम्मेलन संगठन (ओआईसी) सहित इस्लामी दुनिया का स्वर्घोषित नेता बन गया है। पिछले साल, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच दशकों पुरानी अनौपचारिक समझ को एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते में बदल दिया गया।इस समझौते में स्पष्ट रूप से कहा गया है-'एक के विरुद्ध आक्रमण दोनों के विरुद्ध आक्रमण माना जाएगा।' इस प्रकार मुनीर ने सऊदी अरब को मजबूर कर दिया है।

बस्तर में माओवादियों की उलटी गिनती शुरू, आखिरी मौके के बावजूद 5 अंडरग्राउंड

जगदलपुर। बस्तर में माओवादियों का नेटवर्क अब सिमटकर अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। लेकिन इसी बीच कुछ गिने-चुने माओवादी अब भी हथियार डालने को तैयार नहीं हैं और सुरक्षा बलों को सीधी चुनौती दे रहे हैं। माओवादी कमांडर पापाराव के जगदलपुर में और क्ख ईंचार्ज सोदी केसा के तेलंगाना में आत्मसमर्पण के बाद बस्तर में सक्रिय माओवादियों की संख्या तेजी से घटी है। इसके बावजूद अब भी कुछ कट्टर कैडर अंडरग्राउंड रहकर गतिविधियां जारी रखे हुए हैं।

स्थिति को देखते हुए बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने साफ और कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और कांकेर बॉर्डर में अब गिनती



के माओवादी ही बचे हैं। और अब भी ये माओवादी सामने नहीं आते हैं, तो सुरक्षा बलों की

कार्रवाई और तेज होगी। वहीं दूसरी ओर तेलंगाना के डीजीपी शिवधर रेड्डी ने भी तेलंगाना मूल के माओवादियों से आत्मसमर्पण की अपील दोहराई है। उन्होंने बताया कि साल 2024 में 125 तेलंगाना मूल के लोग माओवादी संगठन से जुड़े थे। लेकिन अब यह संख्या घटकर महज 5 रह गई है। इन बचे हुए माओवादियों में बड़े नाम भी शामिल हैं जिनमें गणपति और कांकेर-नारायणपुर बॉर्डर में सक्रिय महिला माओवादी रूपी का नाम प्रमुख है जो अब भी अंडरग्राउंड हैं। यानी साफ है बस्तर में माओवाद का ढांचा लगभग ढह चुका है लेकिन आखिरी बचे माओवादी अब भी आत्मसमर्पण और मुठभेड़ के बीच खड़े हैं जहां अगला कदम उनकी किस्मत तय करेगा।

अवैध एलपीजी सिलेंडर भंडारण पकड़ा गया

■ कोरबा खाद्य विभाग की टीम ने एलपीजी सिलेंडर के अवैध भंडारण पर कार्रवाई की है.



कोरबा। खाद्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को जिले में दो अलग-अलग जगहों पर एलपीजी सिलेंडर के अवैध भंडारण पर कार्रवाई की है। आकस्मिक जांच के दौरान बड़ी अनियमितताएं पकड़ीं गयी हैं।

वर्तमान दौर में सामान्य लोग, जहां एलपीजी सिलेंडर की किस्मत से जूझ रहे हैं। समय पर होम डिलीवरी नहीं हो रही है, तो एजेंसी पहुंचने पर भी कुछ लोग मायूस होकर खाली हाथ वापस लौट रहे हैं। ऐसे में कुछ स्थानों पर बड़े पैमाने पर सिलेंडर का भंडारण कर रखा गया था। ऐसे लोगों के खिलाफ खाद्य विभाग की टीम ने दोस कार्रवाई की है। ग्राम पंचायत फरस्वानी स्थित सोनी टेंट हाउस की जांच में 08 घरेलू एलपीजी सिलेंडर, 1 वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर अनधिकृत रूप से संग्रहित पाए गए। नियमानुसार कार्रवाई

करते हुए कुल 09 सिलेंडरों की जब्ती की गई। उन्हें उमरेली इंडेन गैस वितरक की अभिरक्षा में सुरक्षित सुपुर्द किया गया है।

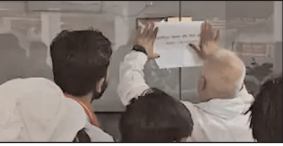
इसी तरह, ग्राम पंचायत बीरतगढ़ (विकासखंड करतला) में संजय कुमार साहू के निवास पर की गई आकस्मिक जांच में 11 घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। घरेलू गैस सिलेंडरों के वैध संंधारण से संबंधित कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर खाद्य विभाग ने सभी 11 सिलेंडरों को जब्त कर गैस वितरक एचपी उरगा की अभिरक्षा में सुपुर्द किया। खाद्य विभाग के जिला अधिकारी घनश्याम कंवर ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का अनधिकृत भंडारण एक दंडनीय अपराध है।

पुलिसकर्मी ने छत्तीसगढ़ी गाने पर पत्नी के साथ बनाई रील

बिलासपुर। वहीं पहनकर रील बनाने का एक मामला सामने आने के बाद हाल ही में एक आरक्षक लाइन अटैंच हो गया था। अब एक दूसरे आरक्षक का भी पत्नी के साथ वहीं पहनकर बनाया गया रील इंस्टाग्राम में वायरल हो रहा है। इस पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि अब आपकी बारी है (पूर्व में एक आरक्षक को निलंबित किया गया था, उस संदर्भ में) जिस पर आरक्षक पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों को चुनौती देते हुए रिप्लाई कर रहा है कि आई एम वेंटिंग ब्रो। हाल ही में मस्तूरी थाने में पदस्थ एक आरक्षक का वीडियो सोशल

मौसाजी स्वीट्स सहित तीन प्रतिष्ठानों की पार्किंग सील

बिलासपुर। अरपा-पार सरकंडा के 6 जाम पॉइंट का सबसे बड़ा कारण बड़े प्रतिष्ठानों द्वारा पार्किंग का गलत इस्तेमाल है। लोग पार्किंग में वाहन खड़े करने के बजाय इसे गोदाम और सर्विसिंग सेंटर के रूप में चला रहे हैं, जिससे सड़क पर गाड़ियां खड़ी हो रही हैं, और ट्रैफिक जाम बन रहा है। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के अभियान में नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की। डी-मार्ट गेट के पास सड़क की ओर बढ़ाए गए लोहे के अवैध ग्रिल हटाए



गए। डी-मार्ट प्रबंधन को निगम ने 48 घंटे के भीतर नक्शे अनुरूप बाउंड्रीवॉल बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले सरकंडा क्षेत्र के तीन बड़े प्रतिष्ठानों 'मौसाजी स्वीट्स, पुष्पेंद्र साहू की दुकान और रॉयल स्वीट्स' की पार्किंग को सील कर दिया गया। निगम

टीम ने मैदान में जाकर निरीक्षण किया। मौसाजी स्वीट्स की पार्किंग पूरी तरह से सर्विस सेंटर और गोदाम में बदल दी गई थी, यहां शोरूम की नई बाइक खड़ी थीं और सर्विसिंग भी हो रही थी। साईंस कॉलेज के पास पुष्पेन्द्र साहू की बिल्डिंग में बनाए गए पार्किंग स्थल को कोचिंग संस्थान को किराए पर दिया गया था, जिसे सील किया गया है। वहीं वसंत विहार चौक के रॉयल स्वीट्स में भी पार्किंग का दुरुपयोग पाया गया। यहां पार्किंग

का गोदाम के रूप में उपयोग रहा था। कार्रवाई में भवन अधिकारी अनुपम तिवारी, आशीष पांडेय, जुगल किशोर, अरुण यादव संतोष वर्मा,शिव बहादुर जायसवाल समेत अन्य शामिल थे। बड़े प्रतिष्ठान अपनी पार्किंग में गोदाम या सर्विसिंग सेंटर चला रहे हैं। इससे ग्राहक सड़क पर वाहन खड़े कर रहे हैं और जाम की स्थिति बन रही है। इसका असर एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों पर भी पड़ रहा है।

बेरोजगार युवाओं हेतु सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलेट भर्ती केप 13 और 15 अप्रैल को

गौरेला पेंड्रा मरवाही। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गौरेला के सहयोग से जीडीएक्स रूप ग्रेटर नोएडा एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट के तहत 100 सुरक्षा जवान, 20 ड्रोन पायलेट, 30 सुरक्षा सुपरवाईजर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती के लिए शिविर 13 अप्रैल को शासकीय आईटीआई मरवाही में और 15 अप्रैल को शासकीय

आईटीआई गौरेला में सुबह 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक भर्ती कैम्प आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक युवा जिनकी योग्यता 10वी पास, उम्र 18 से 40 वर्ष, ऊँचाई 168 सेमी, वजन 52 से 96 किलो और सुपरवाईजर हेतु स्नातक के साथ कम्प्यूटर ज्ञान, उम्र 22 से 40 वर्ष, ऊँचाई 170 सेंटी मीटर, वजन 55 से 96 किलो हो, वे सभी

10 वी पास अथवा अधिकतम प्रमाणपत्र की छायाप्रति एवं आधार कार्ड की छायाप्रति, दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ स्वयं शासकीय आईटीआई में उपस्थित होकर आफलाईन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती शिविर में दूसरे जिले के युवा भी शासकीय आईटीआई में स्वयं उपस्थित होकर आफलाईन आवेदन कर सकते है।

है। इस पर जवान ने उसे टैग करते हुए लिखा किआई एम वेंटिंग ब्रो। बता दें इंस्टा में जवान का एक दो नहीं बल्कि आधा दर्जन से ज्यादा वीडियो वायरल हो रहा है। इभर मस्तूरी थाने से लाइन में भेजे गए जवान का डांस वाला वीडियो भी खूब ट्रेंड में है। इंस्टा पर उनके डांस के साथ एसएसपी के कार्रवाई की बात और उसके ठीक बाद पत्नी के



रोते हुए वीडियो भी इंस्टाग्राम रील पर खूब वायरल हो रहा है।

है। इस पर जवान ने उसे टैग करते हुए लिखा किआई एम वेंटिंग ब्रो। बता दें इंस्टा में जवान का एक दो नहीं बल्कि आधा दर्जन से ज्यादा वीडियो वायरल हो रहा है। इभर मस्तूरी थाने से लाइन में भेजे गए जवान का डांस वाला वीडियो भी खूब ट्रेंड में है। इंस्टा पर उनके डांस के साथ एसएसपी के कार्रवाई की बात और उसके ठीक बाद पत्नी के

ग्राम कुल्हाड़ी में 26 अवैध अतिक्रमण जमींदोज

धमतरी। शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। इसी क्रम में कुरुद विकासखंड के ग्राम कुल्हाड़ी में बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की गई, जहां प्रशासन की संयुक्त टीम ने एक साथ 26 अवैध अतिक्रमणों को हटाकर सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराया। कलेक्टर अविनाश मिश्रा के सख्त निर्देश पर राजस्व, पंचायत और पुलिस विभाग की टीम ने सुबह से ही गांव में मोर्चा संभाला। कार्रवाई के दौरान उन स्थानों को चिन्हित किया गया, जहां लंबे समय से शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था। इनमें पक्के मकान, दीवारें, टीन शेड और घेराबंदी जैसे निर्माण शामिल थे। प्रशासन ने पहले ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर समझाइश दी थी,



जिसका असर भी देखने को मिला। कई लोगों ने स्वेच्छा से अपने कब्जे हटाकर प्रशासन का सहयोग किया, जिससे पूरी कार्रवाई बेहद शांतिपूर्ण और बिना किसी विरोध के संपन्न हो सकी। मौके पर किसी प्रकार का तनाव या विवाद नहीं हुआ, जो प्रशासन के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। इस दौरान तहसीलदार कुरुद सूरज बंछोर, नायब तहसीलदार राम सिन्हा, बिरेंडर चौकी प्रभारी अजय सिंह और ग्राम कुल्हाड़ी की सरपंच सुमित्रा साहू सहित राजस्व, पंचायत और पुलिस विभाग के अधिकारी-

कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और जहां-जहां अतिक्रमण पाया जाएगा, वहां इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य न केवल सरकारी जमीन को मुक्त कराना है, बल्कि गांवों में सुव्यवस्थित विकास को सुनिश्चित करना और सार्वजनिक संसाधनों को आमजन के उपयोग के लिए सुरक्षित रखना भी है।

सिकासार' के अतिरिक्त जल से महासमुंद जिले का सूखा होगा दूर

■ कोडर डेम से जोड़ने 3040 करोड़ की नहर लिंक परियोजना को मिली मंजूरी



गारियाबंद। सिकासार जलाशय के अतिरिक्त जल से आने वाले दिनों में महासमुंद जिले का सूखा दूर होगा। सीकासार-कोडार जलाशय नहर लिंक परियोजना के लिए 3040 करोड़ की मंजूरी मिली है। डेम से डेम को जोड़ने वाली इस पहली परियोजना से अतिरिक्त 25 हजार हेक्टेयर रकबे को सिंचाई सुविधा मिलेगी। भाजपा सरकार ने सीकासार कोडार जलाशय नहर लिंक परियोजना के लिए 3040 करोड़ की मंजूरी दे दिया है। परियोजना को वर्ष 2029 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मंजूरी के बाद सिंचाई विभाग ने

टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कई मायने में यह परियोजना भाजपा सरकार की सबसे अलग-थलग और अहम योजना मानी जा रही है। विभाग के ईई एसके बर्मन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में टेंडर कॉल की तैयारी की जा रही है। कार्य किसी अनुभवी और पारंगत टेका कम्पनी को ही दी जाए इसकी तैयारी विभाग कर रही है। सिकासार जलाशय के प्रमुख नहरों से अब तक गरियाबंद और मारगोड़ क्षेत्र के 101 गांव में रवि और खरीफ़

मिलकर 58 हजार हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा दी जाती थी। लेकिन ईई परियोजना से अतिरिक्त 178 गांव में सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक क्षेत्र के लिए पानी की सपनाई होगी। 41780 एसटी और 6145 एससी परिवार समेत कुल 79650 परिवार इससे लाभान्वित होंगे। परियोजना में बागबाहरा और झलप क्षेत्र के कई असिंचित रकबा तक न केवल सिंचाई सुविधा मिलेगी, बल्कि वाटर लेबल रिचार्ज कर पेयजल संकट को भी दूर किया जाना योजना का मकसद होगा। यह पहली परियोजना है, जिसमें इंजीनियरिंग के नए तकनीकी मापदंडों का भरपूर इस्तेमाल किया जाएगा। 88 किमी लंबे भूमिगत स्टील पाइप से सीकासार बैराज का अनुपयुक्त जल सीधे कोडार पहुंचेगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार	दो सहायक शिक्षकों को 24 घंटे में कारण बताओ नोटिस जारी	बारिश से पहले बालसमुंद नाला सफाई अभियान शुरू	हत्या मामले में प्रेमिका, उसकी मां को आजीवन कारावास	एजेंसी में गैस सिलेंडर नहीं मिलने से लोग परेशान	6 नए उप-पंजीयक कार्यालय का जल्द होगा निर्माण
	गौरेला पेंड्रा मरवाही। जनगणना 2027 के प्रशिक्षण में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर दो सहायक शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है। जवाब संतोषप्रद नहीं होने पर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। तहसीलदार एवं ग्रामीण चार्ज जनगणना अधिकारी द्वारा सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला डोंगराटोला इजहार सिंह ओटी और सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला बगड़ी पवन कुमार कश्यप को जारी नोटिस में कहा, जनगणना 2027 के संबंध में प्रणणक एवं सुपरवाईजर का प्रशिक्षण 10 अप्रैल को पीएमश्री सेजेस विशालय मरवाही में सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक निर्धारित किया गया था। प्रशिक्षण में आप बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाये गये हैं, जबकि जनगणना कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है। आपका यह कृत्य कार्य के प्रति घोर लापरवाही और उदासीनता को प्रदर्शित करता है। आपका कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत है।	रायगढ़। आगामी बरसात को ध्यान में रखते हुए शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम द्वारा समय से पूर्व नाली-नालों की सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में आज सुबह पहाड़ मंदिर स्थित बालसमुंद नाला में महापौर जीवर्धन चौहान एवं एमआईसी के सदस्यों की उपस्थिति में पोकलेन मशीन के माध्यम से व्यापक सफाई कार्य कराया गया। इस दौरान नाले में जमा गад, कचरा एवं अवरोधों को हटाकर जल निकासी को सुचारु बनाने का कार्य किया गया। महापौर जीवर्धन चौहान ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शहर के प्रमुख नालों की सफाई समय रहते पूर्ण कर ली जाए, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर के बड़े एवं संवेदनशील नालों को चिन्हित कर चरणबद्ध तरीके से सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की शुरुआत बालसमुंद नाला से की गई है, जिसके बाद अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार सफाई कार्य तेजी से किया जाएगा।	कबीरधाम। जिला कोर्ट ने हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने दो साल पहले फरवरी 2024 में अपनी प्रेमिका वसुंधरा वैष्णव उम्र 37 व उसकी मां पार्वती वैष्णव उम्र 60 की हत्या की है। कवर्धा निवासी वसुंधरा वैष्णव व आरोपी अश्वनी कुमार पांडे पिता शिव शंकर पांडे उम्र 40 वर्ष, निवासी सिरगिट्टी बिलासपुर के साथ चौथी शादी करने वाली थी। इसे लेकर दोनों के बीच साल 2023 दिसंबर माह में एक समझौता भी हुआ था। इस समझौते को लेकर 22 फरवरी को दोनों के बीच घर पर विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपी ने मां – बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने दोनों के मोबाइल फोन व स्कूटी लेकर घर को बाहर से बंद कर रायपुर फरार हो गया था। वसुंधरा वैष्णव की पूर्व में तीन शादी के बाद उसका तलाक हो गया था। अब चौथी शादी करने वाली थी। इन दोनों के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क हुआ था। वारदात के दिन 22 फरवरी को पिंकी व आरोपी अश्वनी एक साथ कवर्धा के एक ब्यूटी पार्लर भी गए थे।	एजेंसी में गैस सिलेंडर नहीं मिलने से लोग परेशान कोरबा। कोरबा में शनिवार को गेवरा प्रोजेक्ट स्थित कन्ज्यूमर्स को-ऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड (भारत गैस एजेंसी) में स्थिति उस वक्त अनियंत्रित हो गई जब पिछले पखवाड़े भर से रसोई गैस की किश्त छल रहे सैकड़ों उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा बुकिंग के 15 दिन बाद भी सिलेंडर न मिलने से नाराज उपभोक्ताओं ने एजेंसी परिसर में जमकर नारेबाजी की और प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं ने डिजिटल इंडिया के दावों और धरातल की हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करते हुए निम्नलिखित आरोप लगाए। बताया जा रहा है कि बुकिंग के बाद भी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है उपभोक्ताओं का कहना है कि 15 दिनों से सिलेंडर बुक होने के बावजूद न तो होम डिलीवरी हो रही है और न ही एजेंसी से सिलेंडर मिल रहा है। एजेंसी के सूचना पट्टा पर स्टॉक व वितरण संबंधी कोई जानकारी साझा नहीं की जा रही है जिससे कर्मचारियों और आम उपभोक्ताओं को अपना काम छोड़कर प्रतिदिन चक्कर लगाने पड़ रहे हैं ।	6 नए उप-पंजीयक कार्यालय का जल्द होगा निर्माण रायगढ़। जिले के विकास को नई गति देते हुए खरसिया, पुसौर, सरिया, सारंगढ़, धरमजयागढ़ एवं घघोड़ा में 6 नवीन उप-पंजीयक कार्यालय भवनों का निर्माण शीघ्र शुरू होगा। प्रत्येक भवन की लागत 57 लाख रुपए निर्धारित की गई है इसका कुल परियोजना लागत 3.42 करोड़ रुपए है। यह पहल पब्लिक को उनके नजदीक ही सुलभ, पारदर्शी एवं आधुनिक पंजीयन सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस जनहितकारी परियोजना के पीछे वित्त मंत्री व रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी का विशेष योगदान रहा है। उनके सतत प्रयास, दूरदर्शी नेतृत्व एवं विकास के प्रति समर्पण के कारण ही यह बहुप्रतीक्षित योजना शीघ्र धरातल पर उतरने जा रही है। निर्मित होने वाले सभी उप-पंजीयक कार्यालय आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित किए जाएंगे। इन्हें डिजिटल रजिस्ट्रेशन प्रणाली, सुव्यवस्थित प्रतीक्षा कक्ष, अभिलेखों के सुरक्षित रख-रखाव की व्यवस्था, ऑनलाइन सेवाएं तथा दिव्यांगजन के लिए रैम्प जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

एमसीबी में किसानों को नकली खाद और रसायन बेचने की कोशिश

■दो पिकअप गाड़ियों में सवार कुछ लोग रसायन और खाद लेकर गांव में बेचने पहुंचे. स्थानीय किसानों ने तुरंत इसकी सूचना कृषि विभाग को दी.



एमसीबी। खड़गवां ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सैंदा में अवैध रूप से रसायन खाद की बिक्री का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की जागरूकता और तत्परता के चलते प्रशासन की टीम तुरंत गांव पहुंची और कार्रवाई की। कुछ लोग दो पिकअप वाहनों में करीब 80 से

85 बोरी खाद और तरल उर्वरक लेकर सैंदा गांव में बेचने पहुंचे। वे किसानों को खाद की अच्छी क्वालिटी का झांसा देकर उन पर खरीदने का दबाव बना रहे थे। संदेह होने पर कुछ स्थानीय किसानों ने तुरंत इसकी सूचना कृषि विभाग को दी। सूचना मिलते ही कृषि विभाग,

तहसीलदार और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। इधर कृषि और दूसरे विभागों के गांव आने की भनक लगते ही अज्ञात लोग पिकअप में भरा माल वहीं छोड़कर फरार हो गए। मौके पर पहुंची टीम ने जांच शुरू की। जांच के दौरान दोनों

कार्रवाई की जाएगी। वहीं, उर्वरक निरीक्षक मेहनाज अंसारी ने कहा कि बिना अनुमति खाद की बिक्री पूरी तरह अवैध है। जांच के बाद यह स्पष्ट किया जाएगा कि खाद की आपूर्ति कहां से हुई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। ग्रामीणों की सजगता से इस अवैध कारोबार का खुलासा हुआ है, जिससे किसानों को नकली या घटिया खाद मिलने से बचाया जा सका। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि इस प्रकार की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें।

महिला आरक्षण विधेयक से महिलाओं में बढ़ेगा राजनीतिक सशक्तीकरण– चंपा देवी पावले

मनेन्द्रगढ़। भाजपा एमसीबी की जिलाध्यक्ष एवं पूर्व संसदीय सचिव चंपा देवी पावले ने महिला आरक्षण विधेयक को महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। विधेयक न केवल महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएगा, बल्कि देश के लोकतंत्र को और अधिक संवेदनशील, संतुलित एवं जवाबदेह बनाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। श्रीमती पावले ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 16 अप्रैल को लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इससे देशभर की महिलाओं में नया उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिलेगा। आगे बताया कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं है, बल्कि



यह सामाजिक बदलाव और समान अवसर की दिशा में एक मजबूत पहल है। सितंबर 2023 में संसद द्वारा पारित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में

महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। आने वाले समय में 2029 के लोकसभा चुनाव सहित विभिन्न विधानसभा चुनावों में इस व्यवस्था को लागू किए जाने की योजना है, जिससे महिलाओं को जनप्रतिनिधि बनने का व्यापक अवसर मिलेगा। चंपा देवी पावले ने छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा किए गए महिला सशक्तीकरण के प्रयासों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक कदम उठाए।

संक्षिप्त समाचार

बदल गई सीएम की गाड़ी, अब विशुद्ध हिन्दुस्तानी ‘स्कॉर्पियो’ की कर रहे सवारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का



काफिला आज जब प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे तो बहुत से पदाधिकारी और कार्यकर्ता आश्चर्य में पड़ गए। दरअसल, सीएम साय के काफिले में टोयोटा फार्च्यूनर की जगह नई नवेली स्कॉर्पियों नजर आ रही थी। करीबन ढाई साल के कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री को नई गाड़ी में देख लोग उत्सुकतावश गाड़ी के संबंध में पूछताछ भी करने लगे। दरअसल, मुख्यमंत्री साय के अब तक पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में खरीदी गई फार्च्यूनर का ही इस्तेमाल कर रहे थे। इसके स्थान पर अब स्कॉर्पियो का इस्तेमाल करेंगे। ऐसी एक नहीं बल्कि सीएम के काफिले में छह नई स्कॉर्पियो को शामिल किया गया है। सीएम साय बुलेटफुफ स्कॉर्पियों में सवारी करेंगे। इस बदलाव पर भाजपा नेताओं और मीडिया की उत्सुकता को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि गाड़ियां पुरानी हो गई थी। उसे चेंज करने का प्रयास कर रहे थे। कभी-कभी भी बंद हो जाती थी, इसलिए आज बदलाव किए हैं।

साजिद भिन्सरा बने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सह-कार्यालय मंत्री

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष मखमूर ईकबाल खान एवं जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर को अनुशंसा से अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष जिशान सिद्दीकी ने अल्पसंख्यक मोर्चा जिलापदाधिकारी की घोषणा की। नवनियुक्त पदाधिकारियों की सूची में 42 लोगों का नाम शामिल है। वहीं सूची में युवा नेता मो. साजिद भिन्सरा को अल्पसंख्यक मोर्चा का सह-कार्यालय मंत्री बनाया गया है। ज्ञात हो कि मो. साजिद लंबे समय समय से भाजपा पार्टी से जुड़कर लोकसभा, विधानसभा एवं पार्षद चुनाव एवं अन्य संगठन के कार्यक्रमों में पार्टी का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा मखमूर ईकबाल खान एवं जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा जिशान सिद्दीकी का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सबका साथ सबका विकास एवं सबका विश्वास के नारे को लेकर कार्य किया जाएगा।

महाराष्ट्र मंडल में कल चैत्र गौर हल्दी कुंकू, मराठी भजनों की होगी रपर्धा

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल में रविवार को शाम चार बजे से चैत्र गौर हल्दी कुंकू का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सभी केंद्रों के बीच मराठी भजनों की रपर्धा आकर्षण का केंद्र होगी। महिला प्रमुख विशाखा मदन तोपखानेवाले ने बताया कि मंडल के 17 महिला केंद्रों में से न्यू राजेंद्र नगर-कमल विहार, टाटीबंध, कोटा और सरौना केंद्र की संयोजिका और सह संयोजिकाओं द्वारा इस वर्ष हल्दी कुंकू का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम शाम चार बजे से प्रारंभ होगा। भजन प्रतिযোগिता में सभी केंद्रों की ओर से एक-एक भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। विशाखा के अनुसार भजन रपर्धा के लिए कुछ नियम पहले से तय कर दिए गए हैं। उनमें प्रत्येक महिला केंद्र से एक मराठी भजन की ही प्रस्तुति होगी। भजन देवी को समर्पित होना अनिवार्य है। सभी टीमों को भजन प्रस्तुति के लिए औसतन पांच- पांच मिनट का समय दिया जाएगा। भजन के साथ तबला और हारमोनियम की व्यवस्था केंद्रों को स्वयं ही करनी होगी। किसी भी विवाद की स्थिति में जजों का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा। बताते चलें कि भजन रपर्धा को लेकर आमतौर पर महिलाओं में भारी उत्साह रहता है और हर केंद्र की महिलाएं इसके लिए विशेष कलर का ड्रेस कोड निर्धारित कर सबसे अलग दिखने की अघोषित रपर्धा में शामिल हो जाती हैं।

लगजरी कार में घूम-घूमकर चैन लैविंग, 7 महिलाओं का गैंग और ड्राइवर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में लगजरी वाहन से घूम-घूमकर चैन खेचिंग करने वाले शांतिर महिलाओं के एक गैंग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गैंग छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में वारंताओं को अंजाम देते थे। सभी आरोपी महिलाएं आपस में रिश्तेदार हैं। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की जा रही कार के ड्राइवर को भी हिरासत में ले लिया है। गिरफ्तार आरोपी संख्या सकटे, सोनिया हातागले, साखरा बाई, ज्योति सकटे, सरिता ज्वरे, सपना हातागले और अभय हातागले सभी निवासी राजेन्द्रनगर इंदौर शामिल हैं। एक आरोपी उज्जवाला हातागले जलगांव महाराष्ट्र का है। यह गिर्रोह गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों के बाजारों, भीड़?भाड़ वाली जगहों पर चैन खेचिंग करते आ रहे थे। इसके बाद वह शीने की चेनों को जलगांव सराफा में बेच देंती थीं। इनके कब्जे से एक चैन, साढ़े 10 हजार कैश, कटर, चार मोबाइल फोन और इनोवा एसयूवी एम पी/09/बी पी/1064 जब्त की गई है। डीडी नगर थाने में तरुणेन्द्र वर्मा ने 8 अप्रैल को शाम अपनी मां निर्मला वर्मा के गले से चंगोराभाठा बाजार में चैन लूटने की रिपोर्ट लिखाई थी।

कांग्रेस में वार्ड अध्यक्षों की सूची को लेकर विवाद

श्रीकुमार मेनन ने कहा- पीसीसी चीफ दीपक बैज और पदाधिकारियों से करेंगे चर्चा, किसी प्रकार का टकराव नहीं

रायपुर। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने सभी जिला अध्यक्षों को बृथ स्तर से लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी 15 अप्रैल तक गठित करने की समय सीमा दी है। इसके बाद रायपुर शहर कांग्रेस ने वार्ड अध्यक्षों की सूची घोषित की, लेकिन इसे महज कुछ घंटों में ही पीसीसी द्वारा निरस्त कर दिया गया। पीसीसी ने इस सूची को अवैधानिक माना है। इस कार्रवाई के बाद कांग्रेस में सूची को लेकर विवाद की स्थिति नजर आ रही है। हालांकि जिला अध्यक्ष श्री कुमार मेनन का कहना किया टकराव जैसा कुछ नहीं है, वह दीपक बैज और पदाधिकारियों से चर्चा करेंगे।

दरअसल, दो दिन पहले ही समीक्षा के दौरान अब तक कार्यकारिणी समेत वार्ड अध्यक्ष नहीं बनाए जाने को लेकर नाराजगी सामने आई थी। शुक्रवार को शहर कांग्रेस ने रायपुर के 66 वार्डों में वार्ड अध्यक्षों की सूची जारी की थी, लेकिन पीसीसी ने इसे निरस्त कर

दिया। पीसीसी ने दो टूक कह दिया कि वार्ड अध्यक्षों और कार्यकारी अध्यक्ष की सूची जारी करने से पहले अनुमोदन नहीं लिया गया।

मामले में रायपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा कि इस विषय पर प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन के भीतर किसी प्रकार का कोई टकराव नहीं है और सभी मुद्दों का आपसी बातचीत से सुलझा लिया जाएगा।

कांग्रेस नेता दिनेश ठाकुर ने दिया इस्तीफा, वार्ड अध्यक्षों की सूची निरस्त किए जाने से नाराज

सत्ता से बाहर रहने के बाद भी



कांग्रेस में समय-समय पर संगठन के फैसलों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। एक ओर कांग्रेस आलाकमान का फरमान आया था कि जितनी भी इकाईयां गठित नहीं हो पायी हैं 15 अप्रैल से पहले नाम घोषित करें,संभवतः इसे प्रार्थमिकता मानते हुए रायपुर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने वार्ड अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी। शुक्रवार को सूची जारी होने के कुछ ही देर बाद प्रदेश संगठन महामंत्री ने पत्र जारी कर दिया कि बगैर पीसीसी

निगम ने शंकर नगर के बाजारों, व्यवसायिक क्षेत्रों में चलाया सिंगल यूज प्लास्टिक पर जागरूकता अभियान

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रभावशील प्रतिबंध को लेकर नगर निगम जोन 3 स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर निगम अपील समिति के सदस्य और शंकर नगर वार्ड क्रमांक 30 के पार्षद श्री राजेश गुप्ता के नेतृत्व में शंकर नगर में बाजारों और व्यवसायिक क्षेत्रों में जनजागरण अभियान व्यापारियों के मध्य चलाया गया।

शंकर नगर चौपाटी और मुख्य मार्ग में स्थित सभी व्यवसायिक परिसरों में वार्ड 30 के पार्षद राजेश गुप्ता के नेतृत्व और जोन 3 जोन स्वास्थ्य अधिकारी पूरन कुमार ताण्डी सहित स्वच्छता निरीक्षकों,



स्वच्छता दीर्घियों, रामकी कम्पनी के सुपरवाइजरों की उपस्थिति में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रति प्रभावी जनजागरूकता अभियान व्यापारियों के मध्य बाजारों और व्यवसायिक क्षेत्रों में चलाया गया. जनजागरण अभियान में व्यापारियों को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के

सम्बन्ध में जानकारी दी गयी और इसका उपयोग किये जाने से प्रकृति एवं पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य को हाने वाली क्षति की जानकारी देते हुए जागरूक व्यापारियों को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े और जुट से निर्मित थेलों का उपयोग करने की कड़ी हिदायत दी गयी. व्यापारियों को अपनी दुकान में पॉलीथिन का उपयोग पूर्णतः बन्द करने और तत्काल टैग लगाने निर्देश दिए गए जो भी ग्राहक आएंगे, अपना थैला साथ में लेकर लाएंगे।

फिर हड़ताल पर जा सकते हैं एनएचएम कर्मचारी**मांगें पूरी नहीं होने से हैं आक्रोशित, प्रदेश स्तरीय बैठक में बनाएंगे रणनीति**

रायपुर। मांगें पूरी नहीं होने से आक्रोशित एनएचएम कर्मचारी एक बार फिर हड़ताल पर जा सकते हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह।ा।स्) कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक 12 अप्रैल को आमपारा रायपुर में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं संघ के पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में कर्मचारियों की लंबित मांगों की वर्तमान स्थिति, भविष्य की दिशा, गति एवं आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

एनएचएम कर्मचारियों ने नियमितीकरण, ग्रेड पे, अनुकम्पा नियुक्ति, स्थानांतरण नीति, मेडिकल अवकाश सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर एक माह से अधिक समय तक हड़ताल की थी। सरकार से आश्वासन मिलने के बाद आंदोलन स्थगित किया गया था। इस दौरान मांगों के निराकरण



के लिए विभाग स्तर पर समिति का भी गठन किया गया था, नतीजा आज भी शून्य है, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है।

ज्ञात हो कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत प्रदेश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी स्वास्थ्य संस्थाओं जैसे आयुष्मान आरोग्य मंदिर, उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेजों में

डॉक्टरों सहित पैरामेडिकल स्टाफ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश स्तरीय इस बैठक में सभी जिलों से जिलाध्यक्ष एवं कर्मचारी प्रतिनिधि शामिल होंगे और रणनीति तय की जाएगी।

संघ के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। साथ ही कर्मचारियों ने यह भी उल्लेख किया है कि भाजपा के घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी के अंतर्गत संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का उल्लेख किया गया है, जिस पर भी बैठक में चर्चा की जाएगी।

उत्कृष्ट खिलाड़ी सूची मामला : खेल मंत्री अरुण साव बोले-**चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में, जल्द होगा निर्णय**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले सैकड़ों खिलाड़ी पिछले 7-8 वर्षों से रोजगार के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि कई पदक विजेता खिलाड़ी आजीविका के लिए चाय ठेला, ई-रिक्षा चलाने और सब्जी बेचने तक को मजबूर हैं। इस मुद्दे को मीडिया द्वारा प्रमुखता से उठाए जाने के बाद अब सरकार ने संज्ञान लिया है और प्रक्रिया में तेजी आने के संकेत मिले हैं।

बता दें कि इस पूरे मामले में डिप्टी सीएम और खेल मंत्री अरुण साव ने स्पष्ट किया है कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इसके पूरा होते ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पात्र खिलाड़ियों को जल्द ही सम्मानित किया जाएगा। दरअसल, प्रदेशभर के पदक विजेता और अवॉर्ड प्राप्त खिलाड़ियों ने हाल ही में उपमुख्यमंत्री व खेल मंत्री अरुण साव से उनके नया रायपुर स्थित निवास पर मुलाकात की। इस दौरान



खिलाड़ियों ने लंबे समय से लंबित उत्कृष्ट खिलाड़ी सूची जारी करने और राज्य खेल अलंकरण समारोह आयोजित करने की मांग रखी।

खिलाड़ियों की बात सुनने के बाद खेल मंत्री ने आश्वासन दिया कि चयन प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही मुख्यमंत्री को अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर उत्कृष्ट खिलाड़ियों की घोषणा और सम्मान किया जाएगा।

इसके बाद खिलाड़ियों का प्रतिनिधिमंडल खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रायपुर भी पहुंचा, जहां खेल सचिव यशवंत कुमार, उपसंचालक रश्मि ठाकुर, रवि अग्रवाल सहित सभी जिलों के जिला खेल अधिकारी (डीएसओ) और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खिलाड़ी समिति की बैठक और पूरी प्रक्रिया की समयसीमा को लेकर सवाल उठाए। इस पर खेल सचिव ने स्पष्ट कहा कि चयन प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और बहुत जल्द सूची जारी कर दी जाएगी।

बैठक में खिलाड़ियों से जुड़े ओवर एज मामलों को भी गंभीरता से लिया गया है और इस पर उचित निर्णय लेने की बात कही गई है। लंबे समय से लंबित इस मुद्दे पर अब सरकार की सक्रियता के बाद खिलाड़ियों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

एलटीटी-हावड़ा-एलटीटी के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन**■ मूक माटी एक्सप्रेस में 2 अतिरिक्त कोच की सुविधा**

रायपुर। ग्रीष्मकालीन के दौरान यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एलटीटी-हावड़ा-एलटीटी के मध्य 1-1 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन और जबलपुर- रायपुर - जबलपुर मूक माटी एक्सप्रेस में स्थायी रूप से कोच बढ़ाने का निर्णय लिया है। एलटीटी-हावड़ा-एलटीटी के मध्य 1-1 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन 14 अप्रैल से शुरू किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 01145 एलटीटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन एलटीटी से 14 अप्रैल (मंगलवार) को चलेगी इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01146 हावड़ा-एलटीटी स्पेशल ट्रेन हावड़ा से 16 अप्रैल (गुरुवार) को चलेगी। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है*

गाड़ी को समय सारिणी

*गाड़ी संख्या 01145 एलटीटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन एलटीटी से 14 अप्रैल (मंगलवार) को 20.15 बजे रवाना होगी

तथा ठाणे आगमन 20.40 बजे, प्रस्थान 20.43 बजे, कल्याण आगमन 21.07 बजे, प्रस्थान 21.10 बजे दूसरे दिन नासिक रोड आगमन 00.15 बजे, प्रस्थान 00.18 बजे, भुसावल आगमन 03.35 बजे, प्रस्थान 03.40 बजे, अकोला आगमन 05.55 बजे, प्रस्थान 05.57 बजे, बडनेरा आगमन 07.55 बजे , प्रस्थान 07.58 बजे, नागपुर आगमन 10.15 बजे, प्रस्थान 10.20 बजे, *गोंदिया आगमन 12.04 बजे, प्रस्थान 12.06 बजे, दुर्ग आगमन 14.15 बजे, प्रस्थान 14.20 बजे, रायपुर आगमन 14.55 बजे, प्रस्थान 15.00 बजे, बिलासपुर आगमन 16.45 बजे, प्रस्थान 16.55 बजे,* झारसुगुड़ा आगमन 20.08 बजे, प्रस्थान 20.10 बजे, राउरकेला आगमन 21.40 बजे, प्रस्थान 21.48 बजे, चक्रधरपुर आगमन 23.30 बजे, प्रस्थान 23.35 बजे तीसरे दिन टाटानगर आगमन 00.30 बजे, प्रस्थान 00.35 बजे, खडगपुर आगमन 02.45 बजे, प्रस्थान 02.50, सांतरगाछी आगमन 05.00 बजे, प्रस्थान 05.05 बजे होते ता 06.00 बजे हावड़ा स्टेशन पहुंचेगी।

*इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01146 हावड़ा-एलटीटी स्पेशल ट्रेन हावड़ा से 16 अप्रैल (गुरुवार) को 14.45 बजे रवाना होगी



तथा सांतरगाछी आगमन 15.45 बजे, प्रस्थान 15.50 बजे, खडगपुर आगमन 17.15 बजे, प्रस्थान 17.20 बजे, टाटानगर आगमन 19.30 बजे, प्रस्थान 19.35 बजे, चक्रधरपुर आगमन 20.50 बजे, प्रस्थान 20.55 बजे, राउरकेला आगमन 22.20 बजे, प्रस्थान 22.28 बजे दूसरे दिन झारसुगुड़ा आगमन 00.05 बजे, प्रस्थान 00.07 बजे, *बिलासपुर आगमन 03.15 बजे, प्रस्थान 03.25 बजे, रायपुर आगमन 05.10 बजे, प्रस्थान 05.15 बजे, दुर्ग आगमन 06.15 बजे, प्रस्थान 06.20 बजे, गोंदिया आगमन 08.28 बजे, प्रस्थान 08.30 बजे,* नागपुर आगमन 10.50 बजे, प्रस्थान 10.55 बजे,

23.45 बजे एलटीटी स्टेशन पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 01 एसएलआरडी, 01 पावर कार, 04 जनरल, 03 स्लीपर, 09 एसी-1।।, 02 एसी-1।। कोच सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 11702/11701 (जबलपुर - रायपुर - जबलपुर) मूक माटी एक्सप्रेस में 2 अतिरिक्त कोच की सुविधा।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की बेहतर यात्रा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 11702/11701 जबलपुर- रायपुर - जबलपुर मूक माटी

मधुमवखी पालन: कम लागत में ज्यादा मुनाफे का विकल्प

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें वैकल्पिक आजीविका से जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं राज्य योजना के अंतर्गत मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जशपुर जिले में इस योजना के तहत 20 किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को मधुमक्खी पालन के लिए आवश्यक संसाधनों पर अनुदान दिया जा रहा है, जिसमें मधुमक्खी पेटी (बी बॉक्स) सहित कालीनी के लिए 1600 रुपये, मधुमक्खी छता हेतु 800 रुपये तथा मधु निष्कासन यंत्र के लिए 8000

रुपये की सहायता शामिल है। इस पहल से किसान कम लागत में अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि परागण के माध्यम से फसलों की पैदावार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सरसों, आम, लीची, अमरुद, सूरजमुखी, धनिया एवं विभिन्न सब्जी फसलों में मधुमक्खियों द्वारा परागण से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इससे कृषि अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनती है।

मधुमक्खी पालन ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार का एक प्रभावी साधन बनकर उभर रहा है।प्रशिक्षण लेकर कोई भी व्यक्ति इस व्यवसाय को आसानी से शुरू कर सकता है।

तीन राज्यों में बंपर वोटिंग ने क्या संदेश दिया ?

नीरज कुमार दुबे

असम, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में इस बार जबरदस्त मतदान ने लोकतंत्र की मजबूती का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 80 प्रतिशत के औसत मतदान ने यह संकेत दिया है कि जनता न केवल राजनीतिक रूप से जागरूक है, बल्कि अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इतना ही नहीं, इस भारी मतदान ने राजनीतिक दलों की धड़कनें भी तेज कर दी हैं, क्योंकि हर दल इसे अपने पक्ष में जनसमर्थन के रूप में देख रहा है। हालांकि इस बंपर मतदान के वास्तविक मायने क्या हैं, यह समझने के लिए तीनों राज्यों का अलग अलग विश्लेषण जरूरी है।

असम चुनाव- सबसे पहले बात असम की करें तो यहां का मतदान प्रतिशत न केवल पिछले चुनावों से अधिक रहा बल्कि कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पहले के चुनावों के मुकाबले अधिक है। खास बात यह रही कि सोलह निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान नब्बे

प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। दलगांव में तो मतदान लगभग 95 प्रतिशत के करीब रहा, जो राज्य में सबसे अधिक है।

असम में चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से दो धुवों के बीच रहा। एक ओर भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ गठबंधन है जो लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष गठबंधन सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय दल भी कुछ सीटों पर प्रभाव डालने की स्थिति में हैं।

यहां मतदान का एक महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता के रूप में सामने आया। निचले असम के क्षेत्रों में, जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां मतदान प्रतिशत अत्यधिक रहा। बरपेटा, बोंगाईगांव और धुबरी जैसे जिलों में मतदान नब्बे प्रतिशत से ऊपर दर्ज किया गया। इसके विपरीत ऊपरी असम के क्षेत्रों में मतदान अपेक्षाकृत कम रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि चुनावी उत्साह उन क्षेत्रों में अधिक था जहां मुकाबला अधिक तीखा है। हालांकि मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा की घटनाएं भी सामने आईं,



लेकिन कुल मिलाकर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। भारी मतदान को लेकर सत्तारूढ़ नेतृत्व ने इसे ऐतिहासिक बताया और इसे जनता के विश्वास का प्रतीक माना।

केरल चुनाव- अब केरल की बात करें तो यहां का चुनाव परंपरागत रूप से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच होता रहा है। इस बार भी मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ वाम मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ मोर्चे के बीच रहा, जबकि तीसरा विकल्प बनने की कोशिश कर रहा भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगा है। केरल में लगभग 77 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले चुनाव से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक

कोझिकोड जिले में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जबकि कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। केरल में इस बार चुनाव का मुख्य सवाल यह रहा कि क्या सत्तारूढ़ गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगा या फिर विपक्ष वापसी करेगा? उच्च मतदान को लेकर अलग अलग राजनीतिक दलों ने अलग अलग दावे किए हैं। सत्तारूढ़ पक्ष इसे अपनी नीतियों के समर्थन के रूप में देख रहा है, जबकि विपक्ष इसे बदलाव की इच्छा का संकेत बता रहा है।

हम आपको बता दें कि उत्तर केरल यानी मलबारा क्षेत्र इस बार भी चुनावी परिणामों की कुंजी माना जा रहा है। यहां की साठ सीटों पर तीनों प्रमुख राजनीतिक धाराओं की नजर है। पिछले चुनाव में इस क्षेत्र में सत्तारूढ़ दल को बड़ी सफलता मिली थी, लेकिन इस बार विपक्ष यहां बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है। कई सीटों पर कड़ा मुकाबला और अरस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान इस क्षेत्र को और भी महत्वपूर्ण बना देता है।

पुडुचेरी चुनाव- अब पुडुचेरी की बात करें तो यहां सबसे अधिक मतदान दर्ज किया

शर्तों के साथ ईरान और अमेरिका के बीच 15 दिन का सीज फायर

सनत जैन

ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम के लिए सहमति बन गई है। अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया। ईरान ने भी अधिकृत रूप से इसकी घोषणा की। सीज फायर के बाद हमले तत्काल रूप से बंद हो गए हैं। ईरान ने इसके लिए अधिकृत रूप से आदेश जारी किए हैं। युद्ध विराम को लेकर 10 शर्तों के साथ ईरान ने प्रस्ताव पेश किया है। चीन द्वारा दोनों पक्षों को समझाइस दिए जाने के बाद 15 दिन के लिए युद्ध विराम घोषित किया गया है। इसकी घोषणा होते ही, इसके सकारात्मक परिणाम भारत सहित दुनिया के सभी देशों में देखने को मिले हैं। एक नई आशा की किरण जागी है। दोनों पक्ष गंभीरता के साथ विचार करके स्थाई रूप से युद्ध रोकने और शां 7ति के लिए प्रयास करेंगे। इसके लिए दोनों पक्षों का एक मंच पर आना जरूरी था। पाकिस्तान ने तीनों पक्षों के बीच बातचीत के 7रिले जो प्रयास किया, वह सार्थक हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा इस फैसले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर का उल्लेख किया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह उल्लेख किया है, ईरान को स्टेट आफ हार्मोज़ को फिर से खोलना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया, अमेरिका ने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। अमेरिका अब तेहरान के साथ निर्णायक फैसले की स्थिति में आ गया है। अब जो भी समझौता होगा वह दीर्घकालिक शांति के लिए होगा। ईरान की ओर से शीर्ष अधिकारी बातचीत करने के लिए पा? 2किस्तान आएंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति इस बातचीत में शामिल होंगे। इस फैसले के आते ही सारी दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। ऊर्जा संबंधी संकटों और युद्ध को लेकर जो स्थिति बनी हुई थी। उससे सारी दुनिया को अस्थायी रूप से राहत मिली है। भारत में इसका बड़ा असर देखने को मिला। शेयर बाजार ने 2800 अंकों की छलांग लगाई। कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

तेजी के साथ गिरे। इस युद्ध में अमेरिका द्वारा ईरान को खत्म करने की धमकी दी जा रही थी, चीन, रूस और उत्तर कोरिया के इस युद्ध में शा 7मिल होने की संभावना बन गई थी। पिछले एक साल से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ को लेकर दबाव बना रहे थे। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठाकर अमेरिका में बंधक बनाया गया। इसके तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया। इससे सारी दुनिया के देश अमेरिका से नाराज थे। अमेरिका के अंदर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी लिए बिना जिस तरह से ईरान पर हमला किया था। अमेरिकी कानून के अनुसार केवल 45 दिन तक वह इस तरह की कार्रवाई राष्ट्र 7ति कर सकते थे। इसके पहले उन्हें संसद की अनुमति लेना अनिवार्य था। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप के पास अन्य कोई विकल्प नहीं था। एक महीने से अधिक युद्ध चलते हुए हो गए थे। युद्ध में ईरान के साथ-साथ इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन खाड़ी के देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे, ईरान ने लगभग सभी में ध्वस्त कर 7दिये हैं। अमेरिका की जो साख दु 7निया में बनी हुई थी, इस युद्ध में वह लगभग खत्म हो गई है। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे। इसमें पाकिस्तान ने पहल की। चीन ने अपनी सामरिक और आर्थिक शक्ति का एहसास करकर अमेरिका और ईरान दोनों को एक मंच पर लाने का जो काम किया है। युद्ध 7?विराम से सारे विश्व को राहत मिली है। अमेरिका और ईरान के इस युद्ध में सबसे ज्यादा भूमिका इजरायल की थी। ग्रेटर इजरायल की परिकल्पना पर काम कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मोसाद द्वारा जो अमेरिका को जो जानकारी दी गई थी, वह सही नहीं थी। अति उत्साह में डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध में कूद गए। जिसके कारण अब उन्हें राष्ट्रपति पद को बचा पाना मुश्किल दिख रहा है।

भारत के गहरे दोस्त ताइवान में घुसने की तैयारी में चीन?

अभिनय आकाश

दुनिया अभी ईरान, इजराइल और अमेरिका के जंग की गवाह बनी हुई है। इस युद्ध को एक महीना से ज्यादा बीत चुका है। लेकिन कहीं से राहत की कोई अच्छी खबर नहीं आ रही। इस बीच चीन ने चौंकते हुए बिना कोई वजह बताए 40 दिनों के लिए समुद्र के ऊपर के हवाई क्षेत्र के एक बड़े हिस्से को बंद कर दिया है। अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या चीन ने मिडिल ईस्ट का फायदा उठाकर ताइवान को घेरने की तैयारी कर ली है? ताइवान पर कब्जा करने की तैयारी कर ली है। क्योंकि बता दें कि अचानक 40 दिनों के लिए चाइना ने अपना एयर स्पेस बंद करने का ऐलान किया है। ताइवान के पास खुदपोत देखे गए हैं और बिना किसी ऐलान के यह सैन्य हलचल हो रही है। क्या यह सिर्फ एक अभ्यास है या फिर किसी बड़े एक्शन की तैयारी। सबसे बड़ा अलार्म जो है वो यह है कि चीन ने समुद्र के ऊपर एक बड़े हिस्से का एयर स्पेस लगभग 40 दिनों के लिए बंद करने का ऐलान कर दिया है और यह कोई सामान्य बात नहीं है। आमतौर पर बता दें कि एक से 3 दिन के छोटे अभ्यास होते हैं। लेकिन 40 दिन ये सीधे-सीधे इशारा करता है बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास या फिर नई मिसाइल या फिर वॉर टेक्नोलॉजी टेस्ट का और यह नोटम जो है यानी कि नोटिस टू एयर मिशनंस के जरिए जारी किया गया है जो पायलट्स को खतरे की चेतावनी देता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान युद्ध के बीच चीन ने 27 मार्च से 6 मई तक 40 दिनों के लिए अपना एयर स्पेस बंद किया है। यह इलाका ताइवान से भी बड़ा है और शंघाई के उत्तर दक्षिण में फैला हुआ है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या चीन का यह कदम ताइवान पर कब्जे की चीन की कोई कोशिश तो नहीं है? एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक चीन का यह कदम असामान्य लग रहा है। आमतौर पर एयर शो या छोटे अभ्यासों के लिए एक से तीन दिन के लिए एयर स्पेस को ब्लॉक रखा जाता है। लेकिन 40 दिन तक के लिए ऐसा करना किसी बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास या नई मिसाइल तकनीक के परीक्षण की ओर भी इशारा करता है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स यह भी बता रहे हैं कि ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने भी कुछ ऐसी हरकतें देखी हैं जिससे चीन पर अविश्वास बढ़ गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ताइवान के रक्षा मंत्रालय को



स्थानीय समय अनुसार सोमवार सुबह 6:00 बजे तक अपने क्षेत्रीय जल के आसपास चीन के तीन फाइटर जेट्स, छह नौसैनिक जहाजों और दो सरकारी जहाजों के आने की जानकारी भी मिली। हालांकि बीजिंग ने इस इलाके में किसी भी तरह के योद्धाभ्यास के ऐलान का जिक्र नहीं किया है। जिससे अनिश्चितता और बढ़ गई है। वहीं इसे अमेरिका के लिए एक नई मुश्किल भी माना जा रहा है। चीन का एयर स्पेस बंद होने से जासूसी विमान और मिलिट्री फ्लाइट्स प्रभावित हो सकते हैं। यह सब तब हो रहा है जब अमेरिका ईरान से भीड़ों में लगा हुआ है। चीन के इस कदम से अमेरिकी सेना को अब एशिया में भी नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जितना अनिश्चित डॉनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका हो चुका है, उससे कई गुना ज्यादा अनिश्चित चीन पहले से है। शी चिनफिंग ने इस संशय को और बढ़ाया है। फिर भी बहुत कुछ ईरान युद्ध के परिणामों पर निर्भर करेगा। और ईरान में क्या होगा, अभी कुछ कहना मुश्किल है, पर इतना साफ है कि इस युद्ध ने अमेरिका को पश्चिम एशिया में इस कदर फंसा दिया है, जिससे हिंद महासागर अशांत है और इंडो-पैसिफिक में एक वैक्यूम बनता दिख रहा है। स्वाभाविक है कि चीन इसका लाभ उठाने की कोशिश करेगा।

ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। जबकि ताइवान खुद को अलग देश की तरह चलाता है। और यह विवाद बता दें चाइना और ताइवान का यह नया नैतिक है। 1949 यानी कि 1949 से दोनों के रास्ते अलग हुए। लेकिन चीन का लक्ष्य कभी नहीं बदला। रीयनिफिकेशन यानी ताइवान को अपने साथ जोड़ना। रिपोर्ट्स यह कहती है कि चीन 2027 तक इस मिशन को पूरा करना चाहता है। और अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है? संकेत काफी खतरनाक है। एयर स्पेस को ब्लॉक

कर देना, नेवी की तैनाती एयरफोर्स एक्टिव बिना घोषणा के मूवमेंट्स हुई जा रही है। एक्सपर्ट्स यह मानते हैं कि यह जॉईंट ऑपरेशन ड्रिल हो सकती है। जहां एयर, नेवी और मिसाइल फोर्स एक साथ काम कर रहे हो। यानी असल युद्ध से पहले की रihर्सल। सबसे बड़ी बात जो है वो इसकी टाइमिंग है। जब दुनिया का ध्यान मिडिल ईस्ट पर है। अमेरिका ईरान में उलझा हुआ है और तभी चीन ने यह कदम उठाया है। यानी डिस्ट्रेंक्शन का फायदा चाइना यहां पर उठाना चाहता है। और अब चुपचाप पोजीशन मजबूत करना भी उसका लक्ष्य है। तो क्या चीन सच में ताइवान को घेरने की तैयारी में है या यह सिर्फ दबाव बनाने की एक रणनीति चाइना ने अपनाई है।

राजनीतिक विभाजन ताइवान में भी है, जिसका फायदा चीन उठा सकता है। ताइवान में सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी को चीन अलगाववादी मानता है, जबकि विपक्षी कुओमिंतांग के साथ बेहतर संबंधों की चाह रखता है। हालांकि माओ त्से तुंग की सारी लड़ाई कुओमिंतांग से थी। समय दुश्मन और दोस्त की मानोदशा बदल देता है। अगर चुनाव में कुओमिंतांग सत्ता पाती है तो तनाव कम हो सकता है, लेकिन यदि डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी जीतती है तो जोखिम बढ़ेगा। 2027 में अमेरिका और ताइवान में चुनाव होंगे, जबकि चिनफिंग अपने चौथे कार्यकाल के अंत की ओर खिसक रहे होंगे। 79 वर्ष की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते वह ताइवान मुद्दे पर निर्णायक कदम उठाने के लिए अधीर हो सकते हैं। हां, यह प्रश्न तब भी प्रासंगिक हो सकता है कि क्या चीन के पास ताइवान पर सफल आक्रमण करने की क्षमता है? चीन में भी सब कुछ अच्छा नहीं है। हाल ही में उन 5 शीर्ष जनरलों को हटा दिया गया, जो 2022 में ही नियुक्त किए थे।

बहरहाल, एक अमेरिकी पत्रिका में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ताइवान को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए चीन के बहते खतरे के बीच सेल्फ डिटेंसर्स यानी आत्मनिरोधक क्षमता विकसित करनी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रणनीति सैन्य आक्रामकता बढ़ाने की नहींबल्कि संभावित हमले की लातार इतनी बढ़ाने की है कि चीन कम्युनिस्ट पार्टी के लिए ताइवान पर हमला करना बेहद महंगा और जोखिम भरा हो जाय। देखना होगा कि चीन ने जो अपना एयर स्पेस बंद किया है वो किस मकसद से किया है और जल्द ही चीन के इस कदम का खुलासा भी हो जाएगा।

ट्रंप और इस्राइल कर गए हैं बड़ी भूल, खाड़ी देश खुद को टगा महसूस कर रहे

ब्रेट स्टीफेंस

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह युद्ध जो भी सोचकर शुरू किया हो, लेकिन अमेरिका के नाटो सहयोगियों, अमेरिकी संसद के डेमोक्रेट्स सांसदों और अमेरिकी जनता के एक वर्ग ने जिस तरह से ट्रंप की रणनीति पर विरोध जताया, उससे यह जरूरत पैदा होती है कि इस युद्ध की वास्तविक प्रकृति को समझा जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस तरह से नाटो सहयोगियों को धमकाया, नीचा दिखाया और डराया, उससे यह समझा जा सकता है कि वह ईरान के साथ लड़ाई में अमेरिका व इस्राइल का साथ क्यों नहीं देना चाहते।

डेमोक्रेट्स सांसदों की नाराजगी भी जायज है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन ने कभी उनसे सलाह-मशविरा करने की जरूरत नहीं समझी। लिहाजा, विपक्ष इस युद्ध को ट्रंप की रणनीतिक विफलता बताकर अपने लिए राजनीतिक फायदे की गुंजाइश ढूंढ़ रहा है। ट्रंप ने कहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पिछले जून में ही पूरी तरह खत्म कर दिया गया था, तो आम अमेरिकी यह पूछेगा ही कि आखिर किसे खत्म करने के लिए ट्रंप ने इतनी मशक्कत कर डाली। ये सभी बातें बेशक तर्कसंगत हैं, लेकिन युद्ध के सबसे मुखर विरोधी भी यह नहीं समझ पा रहे कि इस युद्ध के नतीजों से उनके हित भी जुड़े हैं।

जब राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कहा कि वह होमुंज को फिर से खोलने के लिए बल का प्रयोग किए बगैर ही युद्ध समाप्त करने को तैयार हो सकते हैं, तो उनकी इस बात का अर्थ क्या था? हो सकता है कि वह जलडमरूमध्य को खुलवाने के लिए ज्यादा अंतरराष्ट्रीय समर्थन पाने के मकसद से महज दिखावा कर रहे हों, या फिर बिना किसी ठोस योजना के ही काम कर रहे हों।

दोनों ही सूरतों में, जलडमरूमध्य पर दोबारा कब्जा करने से पहले ही युद्ध को खत्म कर देना कई वजहों से एक बड़ी भूल साबित हो सकती है। तेहरान इसे अपनी जीत और अपनी स्थिति की पुष्टि के तौर पर देखेगा और वह ऐसा कर भी रहा है। इससे उसका बिखरा हुआ शासन और मजबूत होगा तथा आगे बातचीत में वह और भी ज्यादा अड़ियल हो जाएगा, न कि नरम। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और खाड़ी के अन्य देश इस समझौते से खुद को ठगा हुआ महसूस कर सकते हैं, क्योंकि इस समझौते ने उन्हें ईरानियों के हमलों का शिकार होने के बाद



भी उनके सामने कूटनीतिक रूप से घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

ट्रंप प्रशासन के लिए बेहतर रणनीति यह होती कि वह उन टैंकरों पर कब्जा कर लेता, जो ईरानी कच्चा तेल लेकर जलडमरूमध्य से बाहर निकल रहे थे, और फिर उस जब्त तेल को मित्र देशों के बंदरगाहों पर पहुंचा देता-ठीक वैसे ही, जैसा अमेरिका ने दिसंबर से वेनेजुएला के मामले में करना शुरू किया था। यह देखते हुए कि ईरान के राष्ट्रपति ने कथित तौर पर कहा था कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ढहने के कगार पर है, यह रणनीति कारगर हो सकती थी।

एक बात जो मुमकिन नहीं थी, वह यह कि कोई देश यह कहे कि वह इस युद्ध के नतीजों से बेपरवाह रह सकता है। जब जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस जैसा कोई व्यक्ति यह कहता है, ‘यह हमारा युद्ध नहीं है’, तो इसका सही जवाब यही होता है कि क्या वह सच में गंभीर हैं? पिछले वर्ष जून में, पिस्टोरियस के नेता चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने यह माना था कि उस महीने ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों पर इस्राइल का हमला ‘ऐसा वृणित काम था, जिसे इस्राइल हम सभी के लिए कर रहा है।’ क्या ईरान से पैदा होने वाले खतरे के बारे में उनकी सरकार की रणनीतिक सोच में, ट्रंप प्रशासन के प्रति उनके कड़े विरोध के अलावा, कोई और बदलाव आया है? जनवरी में, संयुक्त अरब अमीरात ने स्पष्ट शब्दों में घोषणा की थी कि वह ईरान पर हमले के लिए अपने हवाई क्षेत्र, अपने भू-भाग या अपने बंदरगाहों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। यह घोषणा संयुक्त अरब अमीरात को ईरान की जवाबी कार्रवाई से सुरक्षित रखने का एक प्रयास ही था।

लेकिन ईरान ने तब से अबू धाबी, दुबई और संयुक्त अरब अमीरात के कई अन्य सैन्य और नागरिक ठिकानों पर कम से कम 433 बैलस्टिक मिसाइलों, 19 रकूज मिसाइलों और 1,977 ड्रोनो से हमला किया।

स्पेन और इटली की सरकारों ने भी संयुक्त अरब अमीरात की रणनीति को अपनाते हुए अमेरिका को ईरान पर हमले करने के लिए अपने ठिकानों (और मैड्रिड के मामले में, अपने हवाई क्षेत्र) का इस्तेमाल करने से रोका। क्या उन सरकारों को लगता है कि अगर वे कभी तेहरान की मिसाइलों की जद में आ गईं, तो वे उसके कहर से बच जाएंगी?

क्या यूरोपीय देशों को यह समझ नहीं आ रहा कि अगर रूस हमला करता है, तो ट्रंप सरकार का नाटो की मदद करने की ज्यादा संभावना है? जबकि नाटो ने ईरान को कमजोर करने के अमेरिकी प्रयासों के प्रति इतना शत्रुतापूर्ण रवैया अपनाया है।

विशेष रूप से ट्रंप का विरोध करने वाले अमेरिकियों के लिए सवाल यह है कि क्या राष्ट्रपति ट्रंप के प्रति उनकी नापसंदगी, ईरान से उत्पन्न होने वाले खतरों के बारे में रणनीतिक आकलन पर हावी हो जाना चाहिए। हाल ही में, द वॉल स्ट्रीट जर्नल में एक प्रमुख डेमोक्रेट और वकील डेविड बोइस ने यह बात कही कि यदि ट्रंप ने कोई कदम नहीं उठाया होता, तो ‘उनके उत्तराधिकारी के सामने अपने पूर्ववर्तियों द्वारा छोड़ी गई स्थिति से भी कहीं अधिक खतरनाक विकल्प बचता। आज से तीन या चार साल बाद, ईरान की जो मिसाइलें अभी उसके पड़ोसियों को निशाना बना रही हैं, वे बर्लिन या लंदन को, और शायद न्यूयॉर्क या वाशिंगटन को भी निशाना बना सकती हैं। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए।’

अगर डेमोक्रेट्स सांसद अमेरिका के लिए जरूरी नीतियों का समर्थन नहीं कर पाते हैं, तो यह उनकी राजनीति के लिए भी भविष्य में कठिनाई बन सकती है।

लेव त्रोत्सकी ने सही ही कहा है कि हो सकता है कि आपको युद्ध में दिलचस्पी न हो, लेकिन युद्ध को आप में दिलचस्पी हो सकती है। अगर ऐसा है, और इतिहास भी यही बताता है, तो क्या अमेरिकियों को इसे जीतने में भी दिलचस्पी नहीं होनी चाहिए थी?

नाटो से बाहर निकलने की तैयारी में अमेरिका

नीरज कुमार दुबे

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इस समय एक ऐसा तूफान उठ रहा है, जिसने दुनिया की सबसे मजबूत मानी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। हम आपको बता दें कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच बढ़ती खाई अब खुलकर सामने आ चुकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाटो से बाहर निकलने की चर्चा ने साफ कर दिया है कि अब यह गठबंधन केवल औपचारिकता बनकर रह सकता है। हम आपको यह दिला दें कि जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान छेड़ा था तब नाटो के सहयोगी देशों ने इसमें खुलकर सैन्य भागीदारी करने से इंकार कर दिया था। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने इसे साफ शब्दों में नाटो की असफलता बताया। खुद ट्रंप ने नाटो को कागजी शेर तक करार दे दिया। उनका बयान केवल नाराजगी नहीं बल्कि चेतावनी था कि अमेरिका अब नाटो का बोझ अकेला नहीं उठायेगा। देखा जाये तो ट्रंप का यह रुख अचानक सामने नहीं आया है। पिछले कुछ वर्षों से वह लगातार यूरोपीय देशों पर रक्षा बजट बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। नाटो के सदस्य देशों द्वारा सकल घरेलू उत्पाद का पांच प्रतिशत रक्षा पर खर्च करना विवश होना ही इसी दबाव का परिणाम थी। लेकिन जब असली परीक्षा आई तो सहयोगी देश पीछे हट गए। यही वह क्षण था जिसने ट्रंप को यह कहने पर मजबूर कर दिया कि नाटो केवल कागजी शेर बनकर रह गया है। रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह घटनाक्रम कई स्तरों पर बेहद महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, यह ट्रॉस अटलंटिक गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा हमला है। यदि अमेरिका वास्तव में नाटो से दूरी बनाता है तो यूरोप की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो सकती है। रूस जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए यह सुनहरा अवसर साबित होगा, क्योंकि यूरोप बिना अमेरिकी सैन्य समर्थन के कमजोर पड़ जाएगा। एक और बड़ा पहलू है पश्चिम एशिया की बदलती रणनीतिक तस्वीर। होमुज जलडमरूमध्य को लेकर हुए तनाव और तेल आपूर्ति पर पड़े प्रभाव ने यह

साफ कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा अब वैश्विक शक्ति राजनीति का केंद्र बन चुकी है। ट्रंप का यह कहना कि यह जिम्मेदारी उन देशों की है जो तेल पर निर्भर हैं, सीधे तौर पर यूरोप और एशिया को चेतावनी है कि वह अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित करें।

वहीं सबसे आक्रामक संकेत है अमेरिका द्वारा अपने सैन्य अड्डों को स्पेन और जर्मनी जैसे देशों से हटाने या कम करने की योजना। यदि यह कदम उठाया जाता है तो यह केवल सैन्य पुनर्सं तुलन नहीं बल्कि एक प्रकार का रणनीतिक दंड होगा। इसका संदेश साफ है कि जो अमेरिका के साथ नहीं खड़ा होगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की जिद भी इस पूरे घटनाक्रम का अहम हिस्सा है। उन्होंने बार बार यह दोहराया है कि यह क्षेत्र अमेरिकी सुरक्षा के लिए जरूरी है। डेनमार्क और यूरोपीय देशों के विरोध के बावजूद वह मुद्दा अभी ठंडा नहीं पड़ा है। यह दिखाता है कि अमेरिका अब परंपरिक कूटनीतिक सीमाओं को तोड़कर खुली रणनीतिक आक्रामकता की ओर बढ़ रहा है। इस बीच, नाटो महासचिव मार्क रूटे और ट्रंप के बीच हुई बातचीत भले ही औपचारिक रूप से सकारात्मक बताई गई हो, लेकिन अंदर की कड़वाहट साफ झलक रही है। रूटे ने माना कि ट्रंप निराश हैं, जबकि ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि नाटो ने अमेरिका का साथ नहीं दिया। इतिहास गवाह है कि नाटो की सबसे बड़ी परीक्षा 2001 में हुई थी, जब अमेरिका पर हमला हुआ और सभी सदस्य देशों ने उसका साथ दिया। लेकिन आज स्थिति उलट गई है। अब यह ईरान अंसतोष उसे गठबंधन से दूरी बनाने की ओर धकेल रहा है। यदि अमेरिका नाटो से अलग होता है तो वैश्विक शक्ति संरचना बहुध्रुवीय हो जाएगी। चीन और रूस जैसे देश तेजी से अपने प्रभाव का विस्तार करेंगे। यूरोप को मजबूरन अपनी स्वतंत्र सैन्य नीति बनानी पड़ेगी, जबकि एशिया में भी नए सुरक्षा गठबंधनों का उदय हो सकता है। ट्रंप का आक्रामक रवैया यह संकेत देता है कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिक कठोर, स्वार्थ आधारित और टकरावपूर्ण होने वाले हैं।

आज बुध ग्रह करेंगे मीन राशि में प्रवेश

ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को एक शुभ ग्रह माना जाता है। बुध ग्रह मिथुन एवं कन्या राशि के स्वामी हैं। बुध ग्रह सूर्य और शुक्र के साथ मित्र भाव से तथा चंद्रमा से शत्रुतापूर्ण और अन्य ग्रहों के प्रति तटस्थ रहता है। वैदिक ज्योतिष में बुध देव को वाणी, बुद्धि और व्यापार का दाता कहा जाता है। मान्यता है जिन लोगों की कुंडली में बुध देव की स्थिति सकारात्मक होती है। बुध ग्रह कि शुभ स्थिति जातक को व्यवहारिक, वाक्पटु बनती है जो उनके जीवन में अच्छे परिणाम लेकर आते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार 11 अप्रैल से बुध अपनी नीच राशि मीन में गोचर करेंगे। इस दौरान बुध कमजोर अवस्था में रहेंगे। वैदिक ज्योतिष के अनुसार जब भी कोई ग्रह राशि परिवर्तन करता है, तो उसका सीधा प्रभाव पृथ्वी और मानव जीवन पर पड़ता है। इसलिए बुध का गोचर सभी राशियों के जातकों के आर्थिक विकास पर भी काफी पड़ता है। बुध के मीन राशि में गोचर करते ही राशि के जातकों को अच्छा धनलाभ हो सकता है।

बुध गोचर मीन राशि में 11 अप्रैल को होने जा रहा है। बुध कुंभ राशि से निकलकर गुरु की राशि मीन में प्रवेश करने जा रहे हैं। 30 अप्रैल तक बुध मीन राशि में ही गोचर करेंगे। बुध के लिए मीन राशि नीच राशि मानी गई है। नीच राशि में आने पर बुध



कमजोर अवस्था में आ जाते हैं। बुध बुद्धि और वाणी का कारक है इसलिए इसके राशि परिवर्तन से व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता में स्पष्ट बदलाव देखने को मिलता है। इस गोचर के दौरान जहां कुछ लोग अधिक संवेदनशील हो सकते हैं वहीं कुछ लोगों को निर्णय लेने में कठिनाई महसूस होगी।

बुध ग्रह मिथुन और कन्या राशि का स्वामी है। बुध सूर्य का निकटतम ग्रह है। बुध ग्रह को बुद्धि का प्रदाता कहा गया है। बुध ग्रह के लक्षण की बात करें तो यह व्यक्ति में बुद्धि, विवेक, हाज़िर जवाबी और हास्य-विनोद का प्रतिनिधित्व करता है। यह एक शुभ ग्रह है लेकिन कुछ स्थितियों में बुध अशुभ ग्रह में बदल सकता है। बुध कम्युनिकेशन का ग्रह है। बुध ग्रह के अधिदेवता भगवान विष्णु हैं। बुध व्यापार के

देवता तथा व्यापारियों के रक्षक हैं। बुध चन्द्र और तारा के पुत्र है। बुध सौरमंडल के ग्रहों में सबसे छोटा और सूर्य से निकटतम है। बुध के हाथों में तलवार, ढाल, गदा तथा वरमुद्रा धारण की हुई है।

क्या होगा असर

बुध के राशि परिवर्तन से लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। शेयर मार्केट बढ़ने की संभावना है। बाज़ार में खरीदारी बढ़ सकती है। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। अनाज और खाने की चीजों के दाम बढ़ सकते हैं। बड़े देशों के बीच इंपोर्ट-एक्सपोर्ट बढ़ेगा। बड़े एग्रीमेंट या बिजनेस समझौते होने के योग बन रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेन-देन बढ़ेगा। कुछ देशों की करंसी मजबूत होगी। कुछ देश नई व्यापारिक रणनीति पर काम शुरू कर सकते

हैं। पड़ोसी देशों से तनाव बढ़ेगा। अनचाही घटनाएं होगी। वाद विवाद ज्यादा होंगे। भूकंप आगजनी रेल और वायुयान दुर्घटना होगी। आखों एवं त्वचा के रोग बढ़ेंगे। सोने की कीमत और विदेशी करेंसी में उतार-चढ़ाव रहेगा। पेट्रोल, डीजल और तेल के दाम बढ़ने का अनुमान है।

बुध के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव।

मे़ष राशि – बिजनेस और नौकरी में सफलता के योग बन रहे हैं। दुश्मनों पर जीत मिल सकती है। सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृष राशि – रोजमर्रा के कामों में मेहनत बढ़ेगी लेकिन फायदा भी हो जाएगा। सेहत संबंधी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

मिथुन राशि – इस गोचर के दौरान नई जॉब का प्रस्ताव आ सकता है। यदि आप अभी कहीं कार्यरत हैं तो वहां पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में भी आपको अच्छा धनलाभ हो सकता है। नए व्यवसायिक संबंध बन सकते हैं और व्यापार का विस्तार हो सकता है।

कर्क राशि – धन लाभ तो होगा, लेकिन खर्चा भी बना रहेगा। सोच-समझकर बोले। राज की बातें उजागर हो सकती हैं।

सिंह राशि – नौकरी या प्रोफाइल में बदलाव की संभावना है इसलिए जो लोग स्विच करने की उम्मीद कर रहे हैं वे इस अवधि के दौरान योजना बना सकते हैं। आपको अपने माता-पिता या रिश्तेदारों से नकद या वस्तु के रूप में अचानक लाभ मिल सकता है।

कन्या राशि – सुख बढ़ेंगे। लेकिन माता की सेहत को लेकर चिंता बनी रहेगी। यात्राओं में सावधानी रखें। प्रॉपर्टी संबंधी कामों में सफलता मिलने के योग हैं।

तुला राशि– कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं। सोच-समझकर बोले और सावधानी से कोई भी फैसला लें।

वृश्चिक राशि– जो फैसले लेंगे उनमें सफलता मिलेगी। नौकरी और बिजनेस संबंधी यात्रा होने के योग बनेंगे। भाई-बहनों या दोस्तों से विवाद होने की आशंका है।

धनु राशि– शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिल सकती है। प्रेम विवाह करना चाह रहे हो तो अवसर अनुकूल है।

मकर राशि– रोजमर्रा के कामों में सफलता तो मिलेगी, लेकिन उलझनें भी बढ़ती जाएंगी। नौकरीपेशा लोगों को सोच-समझकर फैसले लेने होंगे।

कुंभ राशि – आपको आकस्मिक धनलाभ या रुका हुआ धन प्राप्त होने की संभावना है। यदि आपका व्यापार विदेश तक विस्तृत है तो भी आपको आर्थिक लाभ मिल सकता है। इस गोचर के दौरान आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

मीन राशि– प्रॉपर्टी और रोजमर्रा के कामों में फायदा हो सकता है। इनकम सोर्स बढ़ेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। शेयर मार्केट में फायदा मिल सकता है।

बुध के उपाय

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबूत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदूर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं। दुर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करें। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करें।

ब्रह्म मुहूर्त में क्या करें और क्या न करें

शास्त्रों के अनुसार इन 5 कामों को करने से जीवन में दिखता है पॉजिटिव चेंज



ब्रह्म मुहूर्त की अवधि को हिंदू धर्म, शास्त्रों और वास्तु में बहुत शुभ माना गया है। यहां तक की आयुर्वेद में भी ब्रह्म मुहूर्त की अवधि में जागने को लाभकारी माना जाता है। सुबह सूर्योदय से ठीक पहले का समय सुबह 4 बजे से लेकर 5 बजकर 30 मिनट तक की अवधि को ही ब्रह्म मुहूर्त कहा जाता है। मान्यता है कि इस दौरान आसपास का वातावरण सबसे शुद्ध, शांत और पवित्र होता है। ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त में जागकर ध्यान, योग, प्रार्थना आदि करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। हालांकि, इस दौरान कुछ कार्यों को करना शास्त्रों में वर्जित माना गया है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्या नहीं करना चाहिए?

सूर्योदय से ठीक पहले यानी सुबह 4 बजे से लेकर 5 बजकर 30 मिनट तक की अवधि में अपने मन में किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचार नहीं लाने चाहिए। मान्यता है कि करीब डेढ़ घंटे के दौरान हमारे मन में आए विचारों का प्रभाव पूरे दिन पर पड़ता है। ब्रह्म मुहूर्त का समय सबसे अधिक प्रभावशाली होता है और इस समय मनुष्य का मन सबसे शांत होता है। यही कारण है कि ब्रह्म मुहूर्त में नकारात्मक विचार मन में लाने से इसका प्रभाव व्यक्ति के पूरे दिन और फैसलों पर पड़ सकता है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्रोधित नहीं होना चाहिए। शास्त्रों में यह समय ध्यान और प्रार्थना का बताया गया है। ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त में क्रोध करने से इसका नकारात्मक प्रभाव हमारे विचारों और पूरे दिन पर देखने को मिल सकता है।

शास्त्रों के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त के दौरान सोना अच्छा नहीं माना जाता है। मान्यता है कि ब्रह्म मुहूर्त यानी सूर्योदय के बाद तक सोने से मनुष्य ध्यान, साधना, पूजा-पाठ आदि की पवित्र और सबसे उत्तम अवधि से वंचित रह सकता है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्या करना चाहिए ?

वास्तुशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र और आयुर्वेद में ब्रह्म मुहूर्त की अवधि में जागना सबसे उत्तम माना गया है। मान्यता है कि इस डेढ़ घंटे की अवधि के दौरान उठने से मनुष्य पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करता है। साथ ही, इससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है।

ब्रह्म मुहूर्त की अवधि को मंत्र जाप करने के लिए सबसे उत्तम माना गया है। इस दौरान गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। साथ ही, इस दौरान आप भगवान विष्णु और शिवजी के मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं। इस दौरान जप करना सबसे प्रभावशाली माना जाता है।

मान्यता है कि 4 बजे से लेकर 5 बजकर 30 मिनट तक के बीच में कुछ देर अपने इष्ट देवता का भी अवश्य करना चाहिए। साथ ही, किसी मनोकामना के लिए उसे मन में रखकर मंत्रों का जाप करने से शुभ फल प्राप्त हो सकता है।

हिंदू धर्म में ब्रह्म मुहूर्त के दौरान स्नान करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। नियमित ऐसा करने से जीवन में सकारात्मकता आकर्षित होती है और नकारात्मकता दूर होने लगती है। साथ ही, पूजा पाठ के लिए भी यह समय बहुत शुभ होता है।

सुबह 4 से लेकर 5.30 बजे तक के समय में वातावरण में सतोगुण की प्रधानता होती है। इस समय हमारे भीतर किसी प्रकार के विचार नहीं रहते और मन एकदम शांत होता है। ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान चालीसा का पाठ करना सर्वोत्तम माना गया है।

राजयोग का असर, मिथुन-वृश्चिक समेत कई राशियों को मिलेगा धन और तरक्की का साथ

आज यानी 11 अप्रैल 2026, शनिवार का दिन ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास माना जा रहा है। वैशाख कृष्ण नवमी के साथ उत्तराषाढ़ा और श्रवण नक्षत्र का दुर्लभ संयोग बन रहा है, वहीं वाशि, सुनफा, पराक्रम और सर्वाथ सिद्धि जैसे कई शुभ योग भी निर्मित हो रहे हैं। चंद्रमा मकर राशि में गोचर करेंगे और बुध पहले से ही मीन राशि में विराजमान हैं, जिससे कई राशियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। यह दिन खासतौर पर करियर, धन और रिश्तों के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

मे़ष–मे़ष राशि वालों के लिए दिन अनुकूल रहने वाला है। कार्यशैली में सुधार और व्यवस्थित दिनचर्या अपनाने से लंबे समय से अटके काम पूरे होने लगेंगे। संतान से जुड़ी चिंता किसी अनुभवी सलाह से कम हो सकती है। हालांकि, विवाद की स्थिति में गुस्से पर नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा। पारिवारिक माहौल संतुलित रहेगा और मानसिक शांति बनाए रखने का प्रयास करना होगा।

वृषभ–वृषभ राशि के लिए दिन सामान्य लेकिन संतुलित रहेगा। किसी भी बड़े निर्णय से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना फायदेमंद साबित होगा। परिवार में सामंजस्य बढ़ेगा, जिससे वातावरण सकारात्मक बना रहेगा। छात्रों को अपने समय का सही उपयोग करना होगा, क्योंकि लापरवाही भविष्य पर असर डाल सकती है।

मिथुन–मिथुन राशि वालों के लिए यह दिन बेहद शुभ संकेत लेकर आया है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं और कार्यक्षेत्र में आपकी सराहना होगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और पारिवारिक जीवन भी सुखद रहेगा। पैतृक संपत्ति से जुड़े मामलों में सकारात्मक खबर मिल सकती है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कर्क – कर्क राशि के जातकों के लिए दिन प्रगति का संकेत दे रहा है। विदेश यात्रा के योग बन सकते हैं, जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने से आपकी



स्थिति मजबूत होगी। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा और नई चीजें सीखने के अवसर मिलेंगे।

सिंह–सिंह राशि के लिए दिन मानसिक शांति और आत्मचिंतन का रहेगा। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। परिवार के साथ समय बिताने से संतुलन बना रहेगा। हालांकि, नकारात्मक विचारों से बचना जरूरी है और निवेश के मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए।

कन्या–कन्या राशि वालों के लिए दिन सफलता और संतुष्टि लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क के जरिए बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। महिला उद्यमियों के लिए विशेष लाभ के योग हैं। परिवार में खुशी और सामंजस्य बना रहेगा, जिससे मानसिक संतुलन बेहतर होगा।

तुला – तुला राशि के लिए दिन सामान्य रहेगा, लेकिन कुछ जरूरी समस्याओं का समाधान मिल सकता है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा और नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। संबंधों

में सुधार के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे, हालांकि मानसिक थकान महसूस हो सकती है।

वृश्चिक – वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन बेहद लाभदायक साबित हो सकता है। रुका हुआ पैसा वापस मिलने के संकेत हैं और रिश्तों में सुधार आएगा। कार्यक्षेत्र में अनुभव का लाभ मिलेगा और पुराने विवाद खत्म हो सकते हैं। स्वास्थ्य में भी सुधार देखने को मिलेगा।

धनु –धनु राशि के लिए दिन मिलाजुला रहेगा। परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि, गुस्से पर नियंत्रण रखना जरूरी है। कार्यक्षेत्र में गंभीर बातचीत और मीटिंग्स में सफलता मिल सकती है।

मकर –मकर राशि वालों के लिए दिन आर्थिक रूप से फायदेमंद रहेगा। व्यापार में नए विचार लाभ दिला सकते हैं और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। संतान से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है, जिससे घर का माहौल सकारात्मक रहेगा।

कुंभ – कुंभ राशि के लिए दिन खुशियों से भरा रहेगा। सहकर्मियों के सहयोग से कार्य समय पर पूरे होंगे और आपकी राय की अहमियत बढ़ेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य के लिए लाभदायक हो सकती है।

मीन–मीन राशि वालों के लिए दिन सामान्य लेकिन सावधानी भरा रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा, लेकिन निजी बातों को साझा करने से बचना होगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है और मानसिक तनाव से बचने के लिए आराम करना चाहिए।

कुल मिलाकर 11 अप्रैल 2026 का दिन कई राशियों के लिए शुभ संकेत लेकर आ रहा है। खासतौर पर मिथुन और वृश्चिक राशि वालों के लिए धन और करियर में उन्नति के प्रबल योग बन रहे हैं। हालांकि, हर राशि के लिए संतुलन और सावधानी बनाए रखना जरूरी है ताकि इस शुभ दिन का अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

घर में गाय की मूर्ति किस दिशा में रखें? इस तरह मूर्ति रखने से जीवन में बनी रहेगी सुख-समृद्धि

हिंदू धर्म में गाय को पूजनीय माना गया है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में गाय की मूर्ति रखने से इसका सकारात्मक प्रभाव आसपास के वातावरण पर भी पड़ता है। ऐसी मान्यता है की गाय शुक्र ग्रह का प्रतीक होती है और बछड़े को प्रेम व मातृत्व का प्रतीक माना गया है। घर में गाय की मूर्ति रखने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बढ़ता है। विवाहित लोगों को घर में पीतल से बनी गाय की मूर्ति रखनी चाहिए और बच्चों के लिए भी यह बहुत शुभ होता है। हालांकि, गाय की मूर्ति घर में रखने से पहले सही दिशा का ख्याल अवश्य रखना चाहिए। आइए ज्योतिष एवं वास्तु एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया से जानें घर में गाय की मूर्ति रखने के वास्तु नियम।

गाय की मूर्ति घर की इस दिशा में रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में कामधेनु की गाय की मूर्ति को सही दिशा में रखना बेहद जरूरी होता है। इसे गलत स्थान पर रखने से प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता

है। कामधेनु गाय को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। वास्तु के अनुसार, इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना सबसे उत्तम माना गया है। क्योंकि यह दिशा शुक्र ग्रह से संबंधित होती है। ऐसे में इस स्थान पर पीतल की गाय की मूर्ति रखने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

घर के हॉल में रखें गाय की मूर्ति

वास्तु के अनुसार घर के हॉल यानी ड्राइंग रूम में भी आप गाय की मूर्ति रख सकते हैं। ऐसा करने से आसपास का वातावरण सकारात्मक होता है। साथ ही, यह दंपति के लिए भी शुभ माना जाता है। ऐसे में विवाहित लोगों को अपने घर में गाय की मूर्ति जरूर रखनी चाहिए। इससे आपसी प्रेम बढ़ता है और दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहती है।पूजा घर में रखें गाय की मूर्ति



है। और कामधेनु गाय मां लक्ष्मी का प्रतीक होती हैं। ऐसे में आप गाय की मूर्ति को पूजा घर में भी रख सकते हैं। ऐसा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और बच्चों के लिए भी इसे घर में रखना शुभ माना गया है। मान्यता है की इससे एकाग्रता बढ़ती है।

कामधेनु गाय रखने से पहले जान लें ये बातें

माना जाता है की कामधेनु गाय की मूर्ति को कभी भी बेडरूम, बाथरूम आदि स्थानों के आसपास नहीं रखना चाहिए। वास्तु एक्सपर्ट बताती हैं कि ऐसा करने से दोष उत्पन्न हो सकता है। इसे हमेशा साफ स्थान पर ही रखना चाहिए। अगर आप पीतल की मूर्ति घर में रख रहे हैं, तो इसे घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में ही रखना चाहिए। इससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है।

वास्तुशास्त्र और ज्योतिषशास्त्र में घर का सबसे पवित्र स्थान पूजा स्थल को माना गया है। यहां गाय की मूर्ति को रखना सबसे शुभ माना जाता है।

जब संसद के गलियारे में टकराई नजरें और हुई बात

नईदिल्ली। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बीच सौहार्दपूर्ण सौहार्द का एक दुर्लभ क्षण देखने को मिला, जब दोनों नेता महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने संसद के प्रेरणा स्थल पहुंचे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें प्रधानमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता के बीच संक्षिप्त और सहज बातचीत दिखाई दे रही है। वीडियो में दोनों नेता सौहार्दपूर्ण ढंग से बातचीत करते नजर आ रहे हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और अर्जुन राम मेघवाल तथा राज्यसभा के पूर्व उपसभापति हरिवंश उन्ने के बगल में खड़े हैं। हालांकि यह बातचीत संक्षिप्त थी, लेकिन इसने दोनों नेताओं के बीच दुर्लभ सौहार्द को प्रदर्शित किया, जो अधिकांश अवसरों पर एक-दूसरे पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। नैटजन्स ने यह भी गौर किया कि संसद परिसर में कार्यवाही शुरू होने से पहले दोनों नेताओं के बीच संक्षिप्त बातचीत हुई थी।

अमेरिका-ईरान वार्ता के लिए वैंस की टीम इस्लामाबाद पहुंची



इस्लामाबाद। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस इस्लामाबाद पहुंच गए हैं, जिससे पाकिस्तान में ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ ऐतिहासिक बातचीत का मंच तैयार हो गया है। इस्लामाबाद शनिवार को ईरान और यूएस के बीच बातचीत की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसका मकसद उनके छह हफ्ते पुराने युद्ध को खत्म करना है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि इस्लामाबाद वार्ता में संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा होगी, जिसमें ईरान का परमाणु संवर्धन और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते व्यापार का निर्बाध प्रवाह शामिल है। पाकिस्तान रवाना होते समय वैंस ने पत्रकारों से कहा, हम सकारात्मक बातचीत करने की कोशिश करेंगे, और साथ ही एक कड़ा चेतावनी भी दी, हमसे पंगा मत लेना। इस बीच, मोहम्मद बाघर गालिबान ने कहा, अमेरिकियों के साथ बातचीत का हमारा अनुभव हमेशा असफलता और वादे तोड़ने वाला रहा है। उन्होंने बातचीत के बीच में ही हम पर दो बार हमला किया।

निकम ने महिला आरक्षण को बताया ऐतिहासिक कदम



मुंबई। देश के जाने-माने वकील और भाजपा के राज्यसभा सदस्य उज्ज्वल निकम ने महिला आरक्षण विधेयक पर अपनी राय रखी। उन्होंने दावा किया इस विधेयक से बड़ा बदलाव आएगा। इसके साथ ही विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाया। सांसद उज्ज्वल निकम ने आईएनएस में बातचीत में कहा, भारत विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। इसकी जनसंख्या लगभग 1.45 अरब है। हमारी जनसंख्या चीन से भी अधिक है। क्या हमारे देश में पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त हैं? दुर्भाग्य से नहीं। इसीलिए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना ​​है कि जहां महिलाओं की पूजा की जाती है, जहां उनका सम्मान किया जाता है, वहीं ईश्वर का वास होता है। उन्होंने कहा, यही हमारी संस्कृति कहती है। इसीलिए जब देश की जनसंख्या का 50 फीसदी हिस्सा महिलाएं हैं, तो उनको वह अधिकार क्यों नहीं मिलना चाहिए, जो डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने उन्हें दिए हैं?

तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर जीत संभव : सीएम स्टालिन



चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन की शानदार जीत का पूरा भरोसा जताया और चुनाव प्रचार के दौरान मिली जबरदस्त जनसमर्थन का हवाला दिया। डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने पहले 200 से अधिक सीटों पर जीत का अनुमान लगाया था। हालांकि, कोलाथूर विधानसभा क्षेत्र से डीएमके उम्मीदवार स्टालिन ने कहा कि मौजूदा जनसमर्थन और भारी भीड़ को देखते हुए अब सभी 234 सीटों पर जीत संभव लग रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी विपक्षी दल उन्हें हरा नहीं पाएगा और गठबंधन अपने प्रतिद्वंद्वियों को लेकर चिंतित नहीं है। स्टालिन ने कहा कि जनसमर्थन और भारी जनभागीदारी का मौजूदा स्तर सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों में संभावित जीत का संकेत दे रहा है। हमारा धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन तमिलनाडु में विजयी होगा। चाहे कितनी भी पार्टियां हमारे खिलाफ एकजुट हो जाएं, कोई भी सफल नहीं हो सकता।

इस्तीफे से पहले 7 सर्कुलर रोड में शिफ्ट हुआ नीतीश का सामान



पटना। बिहार में खरसा बंद नई सरकार बनने की चर्चा है। यह भी संभावना जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगले हफ्ते इस्तीफा दे सकते हैं। लेकिन इससे पहले ही पटना में सीएम हाउस खाली किया जा रहा है। नीतीश कुमार का सामान 1 अणे मार्ग से 7 सर्कुलर रोड में शिफ्ट किया जा रहा है। अब 7 सर्कुलर रोड ही सीएम नीतीश कुमार का नया ठिकाना होगा। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही अभी 7 सर्कुलर रोड का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन इसका इस्तेमाल सिर्फ सीएम ऑफिस के तौर पर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार ने खुद की देखरेख में ही बंगले को बनवाया था। 2014 में लोकसभा चुनाव में जब हार हुई थी, तब उन्होंने सीएम पद छोड़ दिया था। उस वक जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार 7 सर्कुलर रोड में रह रहे थे। लेकिन एक बार फिर वे मुख्यमंत्री बने और 1 अणे मार्ग में शिफ्ट हुए।

पश्चिम बंगाल में सिंडिकेट राज खत्म होगा: मोदी

पूर्व बर्धमान में प्रधानमंत्री बोले अवैध खनन और हिंसा पर करेंगे सख्त कार्रवाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा चढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व बर्धमान एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए तुण्मूल कांग्रेस (टीएमसी) पर जोरदार हमला बोला और सत्ता में आने पर सिंडिकेट राज खत्म करने का एलान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर टीएमसी के 15 साल के शासन में हुए कथित भ्रष्टाचार का पूरा हिसाब सामने लाने के लिए एक न्हाइट पेपर जारी किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में मंत्रियों, विधायकों और स्थानीय स्तर पर सिंडिकेट से जुड़े लोगों द्वारा व्यवस्थित तरीके से लूट की गई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी न्हाइट पेपर लाएगी, जिसमें टीएमसी के विधायकों, मंत्रियों और सिंडिकेट के भ्रष्टाचार का पूरा लेखा-जोखा होगा। हमारी सरकार हर ऐसे अपराध को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करेगी।

महिला मतदाताओं को साधने के लिए पीएम मोदी ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर राज्य की महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में बीजेपी को मिल रहे समर्थन से टीएमसी चबरा गई है और झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा, टीएमसी कह रही है कि भाजपा आने पर योजनाएं बंद हो जाएंगी, लेकिन सच्चाई यह है कि बीजेपी किसी योजना को बंद नहीं करेगी, बल्कि भ्रष्टाचार और बिचौलियों को खत्म कर योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाएगी।



प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में केरल का भी जिक्र किया और दावा किया कि वहां एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ही जीत का दावा करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी महिलाओं की ज्यादा भागीदारी होती है, वहां भाजपा-एनडीए को भारी जनादेश मिलता है। इसी आधार पर उन्होंने बंगाल में भी जीत का भरोसा जताया।

पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी की रैलियों में उमड़ी भीड़ चार मई के नतीजों की झलक है। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को अपना सामान पैक करना शुरू कर देना चाहिए, उनके जाने का समय आ गया है। अवैध प्रवासियों की मदद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि तुण्मूल कांग्रेस के 15 साल के शासन ने पश्चिम बंगाल के हर नागरिक को भय के अलावा कुछ नहीं दिया।

मोदी के संबोधन की खास बातें

- पीएम मोदी ने कहा कि हम पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।
- मोदी ने कटवा में चुनावी रैली में कहा कि तुण्मूल कांग्रेस की 'निर्मम' सरकार की नीतियों ने पश्चिम बंगाल में आलू किसानों का भविष्य बर्बाद कर दिया।

3. पीएम ने कहा कि सिंडिकेट सिस्टम की जगह हर काम के लिए पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया लागू की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी से जुड़े लोग बालू खनन जैसे कामों पर कब्जे के लिए आपस में लड़ रहे हैं। साथ ही उन्होंने कटवा ब्लास्ट का जिक्र करते हुए कहा कि इसके पीछे की साजिश सब जानते हैं।

4. उन्होंने भरोसा दिलाया कि बीजेपी की सरकार बनने पर ऐसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून व्यवस्था मजबूत की जाएगी।

5. पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में इस बार खेला होगा। भय मुक्त सरकार से छुटकारा दिलाएंगे।

6. पश्चिम बंगाल में अगर बीजेपी की सरकार बनती है तो पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू की जाएगी।

7. अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो शरणार्थियों को नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

8. मतुआ और नामशूद्र शरणार्थी परिवार संविधान के संरक्षण में हैं।

पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान 23 और 29 अप्रैल को होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। 2021 के चुनाव में टीएमसी ने 213 सीटों के साथ बड़ी जीत दर्ज की थी, जबकि बीजेपी 77 सीटों के साथ प्रमुख विपक्षी दल बनकर उभरी थी। इस बार दोनों दलों के बीच मुकाबला और भी कड़ा और हाई-स्टेक्स माना जा रहा है।

बंगाल में लाखों वोट कटवाए गए : केजरीवाल



पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संस्थागत अधिग्रहण और लाखों वोटों की कटौती का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि सभी संस्थाओं पर कब्जा करने और लाखों वोटों की कटौती करवाने के बाद भी, अगर मोदी पश्चिम बंगाल चुनाव हार जाते हैं तो क्या होगा? टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में चुनाव आयोग और भाजपा पर बड़े पैमाने पर मतदाता सूचियों से नाम हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी के सत्ता में वापस आने पर इस प्रक्रिया को उलट दिया जाएगा और मतदाता सूचियों से हटाए गए नामों के व्यक्तिकरण पर सवाल उठाया। इस बीच, भाजपा ने पश्चिम बंगाल में अपना चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने वादा किया कि अगर भाजपा राज्य में सरकार बनाती है तो छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर दी जाएगी। शाह ने घुसपैठ और पशु तस्करी के खिलाफ कड़े कदम उठाने का भी वादा किया और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक आयोग के गठन की घोषणा की।

स्टोल प्रमुख समाचार

आयुष शेटी ने फाइनल में पहुंचकर रचा इतिहास

निंगबो (चीन)। भारत के 20 साल के युवा



शटलर आयुष शेटी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वित्तिदसरन को हराकर फाइनल में जगह बना ली। चीन के निंगबो ओलिंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए सेमीफाइनल में आयुष ने जबरदस्त वापसी करते हुए 10-21, 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 75 मिनट तक चला और इस दौरान भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में शानदार खेल दिखाया। दोनों खिलाड़ी इससे पहले पिछले साल अक्टूबर ओपन में भिड़े थे, जहां वित्तिदसरन ने सीधे गेम में जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार आयुष ने शानदार वापसी करते हुए हिसाब बराबर कर लिया। पहला गेम हारने के बाद जिस तरह उन्होंने वापसी की, उसने उनकी मानसिक मजबूती को भी साबित किया।

आयुष शेटी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले भारत के दूसरे पुरुष एकल खिलाड़ी बन गए हैं। हालांकि, पिछले 59 साल में ऐसा पहली बार हुआ है। उनसे पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं, 2018 में एनएस प्रणय ने भारत के लिए कांस्य पदक जीता था। आयुष ने अब कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है, लेकिन उनकी नजर अब स्वर्ण पदक जीतकर एक और इतिहास बनाने पर होगी। आयुष बैडमिंटन पर भारत की नई सनसनी बनकर उभरे हैं। वर्ल्ड नंबर-25 आयुष का यह प्रदर्शन किसी संयोग से कम नहीं है। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-चार जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया था। इसके अलावा उन्होंने चीनी तापे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे मजबूत खिलाड़ियों को भी मात दी। अब आयुष शेटी खिताबी मुकाबले में चाऊ तियेन चें और शी यूकी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

रुपया होगा मजबूत यूपीआई बनेगा ग्लोबल

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी मध्यम अवधि की रणनीति ‘उत्कर्ष 2029’ का रोडमैप पेश किया है, जिसके तहत आने वाले वर्षों में देश की वित्तीय प्रणाली को अधिक मजबूत, डिजिटल और वैश्विक बनाने की दिशा में बड़े कदम उठाए जाएंगे। गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा घोषित इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय रुपए को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना, ईरूपे को बढ़ावा देना और यूपीआई का वैश्विक विस्तार करना है। आरबीआई ने 2026 से 2029 के बीच 49 विशिष्ट लक्ष्यों को पूरा करने की योजना बनाई है, जिन्हें छह रणनीतिक स्तंभों में विभाजित किया गया है। इसके तहत पुराने नियमों और सर्कुलर की समीक्षा कर उन्हें वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप सरल बनाया जाएगा। साथ ही, विनियमित संस्थाओं के लिए प्रक्रियाओं को आसान कर लचीलापन बढ़ाया जाएगा।

देवाशिष पांडा

पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था लगातार बेहतरी की दिशा में रही है। देश में डिजिटल प्राथमिकता वाले नीतिगत सुधारों ने इसे बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। इन सुविचारित रणनीतिक हस्तक्षेपों ने एक ऐसा तंत्र तैयार किया है जो नागरिकों को सशक्त बनाता है।

जन धन योजना ने 57 करोड़ से अधिक ऐसे नागरिकों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में शामिल किया है जिनके पास पहले बैंक खाते तक नहीं थे। जन धन, आधार और मोबाइल के रूप में ‘जैम’ त्रयी की बुनियाद रखी गई जिसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को सक्षम बनाया और कल्याणकारी वितरण में लीकेज को कम करने का काम किया। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने लाखों लोगों को डिजिटल भुगतान की दिशा

में प्रेरित करके भारत में डिजिटल पैठ को व्यापक बनाने में मदद की।

व्यक्तिगत बीमा प्रीमियम पर माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी हटाने से भारत को बीमति देश बनाने की दिशा में आगे ले जाने में सहायता मिल रही है। इन सबको जोड़ने वाला एक तत्व है किफायती कनेक्टिविटी। भारत दुनिया के सबसे कम मोबाइल डेटा लागत वाले देशों में शामिल है। यही वजह है कि देश में जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा मोबाइल इंटरनेट तक पहुंच रखता है।

इन बातों के बीच भारत ने दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अधोसंरचना ढांचा कायम किया है। हालांकि इसका प्रभाव बहुत हद तक स्मार्टफोन पर निर्भर है जो लेनदेन की सुविधा देते हैं। अब स्मार्टफोन की बिक्री में लगातार गिरावट आ रही है। 2025 की चौथी तिमाही में स्मार्टफोन की शिपमेंट सालाना आधार पर 7 फीसदी

मुंबई में अवैध रूप से रखे गए 451 एलपीजी सिलिंडर जप्त

मुंबई। मुंबई में आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में की गई है। राशनिंग विभाग ने एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण और परिवहन से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कुल 451 एलपीजी सिलिंडर बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि डोंगरी के वाडी बंदर क्षेत्र में चलाए गए इस अभियान के दौरान 40 लाख रुपये से अधिक का सामान जप्त किया गया और आठ वाहनों को रोका गया। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई राशनिंग नियंत्रक और नागरिक आपूर्ति निदेशक को प्राप्त गोपनीय खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए, तत्काल विशेष निदेश जारी किए गए, जिसके बाद फ्लाईंग स्क्वाड ने एक सुनियोजित अभियान चलाया।



गिरी, क्योंकि कच्चे माल की बढ़ती कीमत के कारण बिजली पर असर पड़ा। अब बढ़ती मेमरी लागत, रुपये का अवमूल्यन और 18 फीसदी जीएसटी के कारण बड़ी संख्या में देशवासी डिजिटल अर्थव्यवस्था से बाहर हो रहे हैं। यह समस्या चक्रीय नहीं ढांचागत है।

वर्ष 2026 में तीन शर्तों के एक साथ आई हैं, जिससे उद्योग इसे स्मार्टफोन बाजार के लिए चिंताजनक परिवेश मान रहा। वैश्विक डीआरएएम (डायनेमिक रैंडम-

ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए एनएसई का नया सिस्टम लागू

नईदिल्ली। ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने ट्रेडिंग सिस्टम में बड़ा तकनीकी बदलाव किया है। इस नए सिस्टम के जरिए ट्रेडिंग पहले से कहीं ज्यादा तेज, पारदर्शी और भरोसेमंद बनने वाली है, जिसका सीधा फायदा निवेशकों और बाजार प्रतिभागियों को मिलेगा। अब एक्सचेंज ने नैनोसेकंड स्तर पर ऑर्डर एक्नॉलिजमेंट की सुविधा सभी ट्रेडिंग सेगमेंट्स में लागू कर दी है। यह नई व्यवस्था 11 अप्रैल से कैश, इक्रिटी डेरिवेटिव, करेंसी और कर्मोडिटी सेगमेंट में लागू हो चुकी है। यह बदलाव सिर्फ ट्रेडिंग की स्पीड बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य निवेशकों का भरोसा मजबूत करना, पारदर्शिता बढ़ाना और बाजार को ज्यादा सुरक्षित बनाना है। आने वाले समय में इसका असर पूरे भारतीय शेयर बाजार के कामकाज पर साफ नजर आ सकता है।

30 लाख रुपए तक ईवी खरीदने वालों की बह्ने-बह्ने!

नईदिल्ली। दिक्षी सरकार की प्रस्तावित इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2026-2030 में इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए बड़ा प्रावधान रखा गया है। ड्राफ्ट के अनुसार, 30 लाख रुपये तक की कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में 100 प्रतिशत छूट देने का प्रस्ताव है। यह छूट 31 मार्च 2030 तक लागू रह सकती है। सरकार का उद्देश्य है कि मिडिल और अपर मिडिल क्लास के ज्यादा लोग इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित हों और पैसेंजर कार सेगमेंट में ईवी की हिस्सेदारी तेजी से बढ़े। हालांकि, 30 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों को इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। वहीं, स्ट्रॉंग हाइब्रिड वाहनों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन चार्ज में 50 प्रतिशत छूट देने का भी प्रस्ताव ड्राफ्ट में शामिल है।

एक्सेस मेमरी) की कीमतें 2026 की पहली तिमाही में उससे पिछली तिमाही से 50 फीसदी से अधिक बढ़ गई हैं। एनएएनडी फ्लैश (नॉन-वोलेटाइल मेमरी) की कीमतें 80-90 फीसदी तक बढ़ गई हैं। काउंटर वॉयर्स रिचर्च के मुताबिक एक सस्ते फोन के लिए, अब मेमरी कुल सामग्री लागत का 43 फीसदी हिस्सा रखती है, जिससे एक ही तिमाही में उत्पादन लागत में 25 फीसदी की वृद्धि हुई है।

साथ ही, पिछले वर्ष में रुपये का डॉलर के मुकाबले लगभग 5 फीसदी अवमूल्यन हुआ है, जिससे आयातित घटकों की लागत बढ़ गई है। इसके साथ 18 फीसदी जीएसटी, जो प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्मार्टफोन पर सबसे अधिक कर दर है, को जोड़ दिया जाए तो अब 10,000 रुपये से कम का स्मार्टफोन 25 से 35 फीसदी महंगा हो गया है। भारत हर साल लगभग 1.10

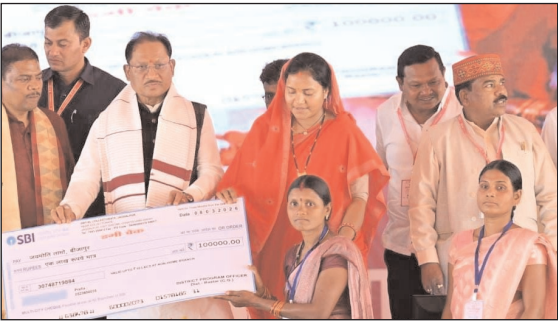
करोड़ स्मार्टफोन बनाता है, जिनमें से अधिकांश 20,000 रुपये से कम की श्रेणी के होते हैं। मांग में गिरावट अब देशभर में उत्पादन लाइनों की अर्थव्यवस्था को खतरे में डाल रही है।

दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहर और ग्रामीण भारत अब नए स्मार्टफोन अपनाने में 70 फीसदी से अधिक और भारत के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में आधे से अधिक का हिस्सा रखते हैं। लगभग 30 फीसदी किसान स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। स्वरोजगार करने वाले कामगार (जो भारत की कार्यबल का 58 फीसदी हैं) इस उपयोग में 30 से 40 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। उनके लिए 20,000 रुपये से कम का स्मार्टफोन आजीविका की कुंजी है। जीएसटी दर में बदलाव के लिए ध्यान अक्सर तात्कालिक राजस्व हानि पर होता है। स्मार्टफोन के मामले में गुणक प्रभाव महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम दौर: सीएम साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष के रूप में मनाते हुए महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी जा रही है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की योजनाएँ अब जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम दे रही हैं, जिसका स्पष्ट प्रतिबिंब आंकड़ों में दिखाई देता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी गौरव वर्ष महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का व्यापक अभियान है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आंगनबाड़ी संचालन के लिए 800 करोड़ रुपए, पूरक पोषण आहार के



लिए 650 करोड़ रुपए तथा कुपोषण मुक्ति व पोषण अभियान के लिए 235 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश है। महिला एवं बाल विकास मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा

इस योजना के लिए 8 हजार 200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रस्तावित रानी दुर्गावती योजना के तहत 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 1 लाख 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी, जिसके लिए 15 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

राज्य में महिलाओं के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से हो रहा है। महतारी सदनों के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत अब तक 368 सदनों को स्वीकृति दी जा चुकी है और 137 का निर्माण पूर्ण हो

चुका है। साथ ही 500 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 42 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच और मजबूत होगी।

मातृत्व सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत 3 लाख 73 हजार से अधिक पंजीयन दर्ज किए गए हैं तथा 235 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। वर्ष 2023-24 में जहां 1 लाख 75 हजार से अधिक पंजीकरण हुए, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 2 लाख 19 हजार से अधिक हो गई। वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2 लाख 4 हजार से अधिक पंजीयन हो चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 93 प्रतिशत से अधिक है।



में खुल रहे हैं। परंतु उनमें पढ़ाने वाले डॉक्टरों की कमी है। छत्तीसगढ़ की सरकारी हॉस्पिटल्स में 1700 डॉक्टरों की कमी है। हमें इस बात पर गहन चिंतन करना होगा कि आखिर उनको पढ़ाने का, उनको रखने का पूरा पैसा सरकार खर्च करती है, परंतु उसके बाद भी सरकारी सेवाओं में डॉक्टर मिलते क्यों नहीं हैं?

इस दिशा में हम क्या काम कर सकते हैं?

उन्होंने आगे कहा कि सरकार मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य अधीनसंरचना पर लगातार निवेश कर रही है, लेकिन डॉक्टरों की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

महिलाओं में शक्ति संचार का माध्यम बनेगा महिला आरक्षण विधेयक: लता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विधायक सुश्री लता उसेण्डी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 अप्रैल को लोकसभा के पटल में महिला आरक्षण बिल लेकर आ रहे हैं जो महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में अहम कदम है और इससे महिलाओं के जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। सुश्री उसेण्डी ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, यह हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री उसेण्डी ने कहा कि सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वन्दन अधिनियम पारित किया गया। 2029 के लोकसभा



चुनाव और आने वाले समय की राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाने की योजना इस बिल के माध्यम से लागू की जाएगी। इस बिल के पारित होते ही महिलाओं को जनप्रतिनिधि के तौर पर 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। सुश्री उसेण्डी ने कहा कि प्रदेश में 2003 में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी और तब से लेकर आज तक प्रदेश में भाजपा सरकार ने महिला सशक्तीकरण की मिसाल प्रस्तुत की है। भाजपा की सरकार ने

सर्वप्रथम महिलाओं को राशन कार्ड के माध्यम से घर की मुखिया के रूप में महत्वपूर्ण स्थान दिया। छत्तीसगढ़ में पंचायत चुनाव में 50 प्रतिशत महिलाओं को स्थान दिया गया है।

प्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार महतारी वन्दन योजना के जरिए मोदी की गारंटी के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार रुपए देकर उनको आर्थिक रूप से संबल प्रदान कर रही है। प्रदेश में महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता दे रही है। सुश्री उसेण्डी ने कहा कि विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना अहम कदम है। आने वाला समय देश की मातृशक्ति के जीवन में एक बड़ा बदलाव लेकर आएगा।

थाना उरला में श्रमिक वेरिफिकेशन शिविर



रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट के उतर जोन द्वारा विशेष अभियान के तहत थाना उरला क्षेत्र में श्रमिक वेरिफिकेशन शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर अछोली स्थित आर.आर. कंपनी में लगाया गया, जिसमें फैक्ट्रियों और इंडस्ट्री में कार्यरत श्रमिकों का सत्यापन किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में बाहर से आने वाले श्रमिकों का सत्यापन कर अपराध की घटनाओं को रोकना है। कई मामलों में बाहरी राज्यों से आए व्यक्तियों के आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने, बाल श्रम के मामलों और श्रमिकों के

मातृ-शिशु स्वास्थ्य में बेहतर परिणामों के लिए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें:जायसवाल

रायपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति, गुणवत्ता और प्रभावशीलता का समग्र आकलन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवा रायपुर स्थित स्वास्थ्य भवन में शुक्रवार को सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की एक दिवसीय राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक माननीय स्वास्थ्य मंत्री के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं सेवा प्रदायगी की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य



मंत्री श्री जायसवाल ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए जोखिम की समय की पहचान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि चिन्हित मामलों को आवश्यकता अनुसार उच्च स्तरीय शासकीय अथवा निजी स्वास्थ्य संस्थानों में समय रहते रेफर किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि रेफरल प्रक्रिया के दौरान संबंधित चिकित्सक एवं अस्पताल प्रबंधन प्रस्तुता एवं शिशु के डिस्चार्ज तक सतत संपर्क में रहें तथा सभी आवश्यक उपचार एवं सुविधाएं सुनिश्चित करें। साथ ही, मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं प्रबंधन

के लिए अग्रिम तैयारियों को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए। समीक्षा के दौरान सभी मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। चिकित्सकों को प्रभावी औषधियां लिखने तथा आवश्यक जांच सुविधाएं संस्थागत स्तर पर ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि मरीजों को अनावश्यक अസुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक का संचालन करते हुए सचिव श्री अमित कटारिया ने मातृ एवं शिशु मृत्यु के प्रत्येक प्रकरण की अनिवार्य रिपोर्टिंग एवं पंजीकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

निर्दोष आदिवासियों को जेल से रिहा किया जाए : बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार ने दावा किया है की छत्तीसगढ़ और बस्तर ने नक्सलवाद समाप्त हो गया है। सरकार के इस दावे के बाद छत्तीसगढ़ वासियों तथा बस्तर वासियों की तरफ से हम डबल इंजन की सरकार से सवाल पूछने है और मांग करते है कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बस्तर संभाग के विकास को गति देने की बात बार बार गृह मंत्री कहते रहे है हमारी मांग है कि बस्तर संभाग के लिए 50 हजार करोड़ की विशेष सहायता दी जाय। हर पंचायत के लिए 1करोड़ दिया जाय।डबल इंजन की सरकार में बस्तर के विकास, बस्तर में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए केंद्र सरकार विशेष पैकेज की घोषणा कब करेगी ?10 बड़े बड़े वारदातो मे शामिल नक्सली सर्पण कर चुके है सरकार उनका पुनर्वास करने जा रही। छोटी छोटी घटनाओ या नक्सल मदद गार के नाम पर जेल मे बंद 4000 से अधिक आदिवासियों की रिहाई कब होगी सरकार बताये। सरकार गारंटी देगी बस्तरियों के मंशा के खिलाफ अडानी या अन्य उद्योगपतियों की बस्तर में इन्ट्री नहीं होगी ?बस्तर के लोगों में यह डर है कि उनके संवैधानिक हकों पर आक्रमण होगा। उनके जल, जंगल, जमीन को किसी और को सौंप दिया जायेगा।



सरकार का आर्थिक प्रबंधन चरमरा गया है: शुक्ला

रायपुर। सरकार आयुष्मान योजना के तहत अस्पतालों का भुगतान नहीं कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 1585 करोड़ रू. का भुगतान अभी निजी अस्पतालों का लंबित है। अस्पतालों के खर्च है दवाई का खर्चा है, स्टाफ का खर्चा है, मेंटेनेंस का खर्चा है, बिजली का खर्चा है। उसके बाद इन्होंने मुफ्त इलाज किया अब उनका पैसा नहीं देंगे, तो स्वाभाविक है कि अस्पताल वाले सरकार से भुगतान के लिए मांग करने पत्राचार करेंगे विरोध करेंगे, इलाज का पैसा मांगने पर आयुष्मान योजना से बाहर कर दिया गया कि आप पैसा मांग रहे है यह तो अत्याचार है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सिर्फ आयुष्मान योजना में नहीं सरकार ने निजी स्कूलों को धमकाया है कि आर्टीई में एडमिशन नहीं देंगे और मान्यता रद्द कर देंगे, उनका पैसा तो बढ़ाये 2011-2014 मे जो रेट फिक्स किया था 2026 में उसी फीस में पढ़वाना चाहते है। यह सरकार धमकी देने में उतर आयी है इनका अपना प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन फैल हो चुका है और प्रशासनिक प्रबंधन फैल हो चुका है। यह सबको डराके, धमकाके और पैसा का भय दिखाकर अपना काम करवाना चाहते है।



नशा और अपराध का गढ़ बन गया है प्रदेश: ठाकुर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशासन में छत्तीसगढ़ अवैध नशा और अपराध का गढ़ बन गया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि हत्या लूट डकैती चाकूबाजी और गैंगवार खुलेआम हो रहे हैं, सरकार और प्रशासन मूकदर्शक बनी हुई है, महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध बेतहासा बढ़े हैं, गाजर मूली की तरह लोग काटे जा रहे हैं। छोटी बच्चियां सामूहिक दुराचार की शिकार हो रही है। दुर्ग में 5 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुराचार हो गया। छोटी बच्चियों से दरिंदगी लगातार हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सरकार में न आम आदमी सुरक्षित है, न व्यापारी सुरक्षित है और न ही महिलाएं और छात्राएं सुरक्षित है। अब तो पुलिस अधिकारियों के परिजन भी सोशल मीडिया में न्याय की गुहार लगा रहे हैं। विगत तीन दिन के भीतर राजधानी रायपुर में चाकूबाजी की दो-दो घटनाएं हुईं, तेलीबांधा में एक व्यापारी को सरेआम चाकू मार दिया गया, राजधानी के ही सेजबहार में एक परिवार रात में कहीं से वापस आ रहा था, रास्ते में पेट्रोल खत्म हो गया, किसी परिचित से उन्होंने पेट्रोल लाने कहा वे लोग इंतजार कर ही रहे थे, उसी समय चार-पांच गुंडे वहां आ गए।



जेम पोर्टल भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है: वंदना

रायपुर। भाजपा की सरकार भ्रष्टाचार में आकंट डूब चुकी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि जेम पोर्टल कर्मशानखोरी का जेम पोर्टल बन गया है, भाजपा के छोटे कार्यकर्ताओं से लेकर बड़े नेता, मंत्री और जिम्मेदार अधिकारियों पर बड़े-बड़े आरोप लगे लेकिन न जांच की गयी, न कार्यवाही की गयी। 6.30 मीटर की साड़ी की जगह 4.5 मीटर साड़ी खरीदने का नया कारनामा सरकार ने किया है। 1 लाख की टीवी 10 लाख में, 50 हजार की रोटी बनाने की मशीन को 7 लाख 95 हजार में खरीदा है, 200 के जग को 32000 हजार में खरीदा गया था, 1539 का ट्रेक सूट 2499 में खरीदा गया। 10 करोड़ का जबूरी घोटाला, तेरहवीं घोटाला, फर्नीचर खरीदी घोटाला, कुकर खरीदी घोटाला, साड़ी खरीदी घोटाला, बारदाना, तिरपाल, धान खरीदी में भ्रष्टाचार सर्वविदित है। भाजपा की सरकार बनने के बाद जेम पोर्टल से शासकीय खरीदी फिर से शुरू किया गया उसका दुष्परिणाम सामने है। भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ियों से रोजगार छीनने के लिये जेम पोर्टल से खरीदी शुरू करने का निर्णय लिया था। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने राज्य के छोटे उद्योगों व्यापारियों और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये सीएसआईडीसी के माध्यम से रेट कॉन्ट्रैक्ट निर्धारित कर सरकारी खरीदी करने का निर्णय लिया था।



रेलवे का फैसला छत्तीसगढ़िया जनता के साथ भेदभाव: मिहिर

रायपुर। शादी के व्यस्त सीजन में छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में लोकल ट्रेनों के रद्द होने पर सियासत तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी के छत्तीसगढ़ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मिहिर कुर्मी ने रेलवे के इस फैसले को जनविरोधी और भेदभावपूर्ण बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई है।

मिहिर कुर्मी ने कहा कि देश के सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले बिलासपुर रेलवे ज़ोन में ही 10 से अधिक लोकल व मेमू ट्रेनों को रद्द करना सीधे-सीधे छत्तीसगढ़िया यात्रियों के साथ अन्याय है। उन्होंने बताया कि बिलासपुर-झुझारपुर-सुगाड़ा रेलखंड में चौथी लाइन को अकलतरा स्टेशन से जोड़ने के कार्य के चलते 11 से 18 अप्रैल के बीच कई महत्वपूर्ण ट्रेन सेवाएं प्रभावित की गई हैं। इस दौरान बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा और रायपुर के बीच चलने वाली कुल 14 ट्रेनें या तो पूरी तरह रद्द कर दी गई हैं या फिर आंशिक रूप से संचालित की जा रही हैं। गोंदिया-झुझारपुर-सुगाड़ा पैसेंजर को बीच में ही समाप्त किया जा रहा है, जबकि कोरबा-झुझारपुर हसदेव एक्सप्रेस को पैसेंजर ट्रेन के रूप में सीमित कर दिया गया है। कुर्मी ने सवाल उठाया कि जब शादी-ब्याह का सीजन अपने चरम पर है, तब इस तरह से ट्रेनों को रद्द करना आम जनता की परेशानियों को नजरअंदाज करना है।



महिलाओं को वोटर के तौर पर ही देखा जाता है: सरोज पांडे

रायपुर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल को रेखांकित करते हुए भाजपा नेत्री सरोज पांडेय ने कहा कि महिला आरक्षण को लेकर अब तक राजनीति हुई है, महिलाओं को वोटर के तौर पर देखा जाता था. अधिनियम पारित होने के साथ 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ महिलाएं नए युग में प्रवेश करेंगी.

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह सक्रिय नजर आ रही है. अधिनियम को लेकर भाजपा आगामी 15 अप्रैल को राजधानी रायपुर में भव्य आयोजन करने जा रही है. इस संबंध में



भाजपा नेत्रियों ने प्रेस कांफ्रेंस के लिए मीडिया को जानकारी दी. महिला एवं महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजधानी रायपुर के दीनदयाल ऑडिटोरियम में 15 अप्रैल को भव्य आयोजन होगा. आयोजन में सामाजिक संगठन के सदस्य, स्थानीय महिलाएं शामिल होंगी. महिला इसका नेतृत्व करेगी. उन्होंने बताया कि लोकसभा स्तर पर नारी शक्ति पदयात्रा का आयोजन होगा. बाइक-स्कूटी रैली

का कार्यक्रम किया जाएगा. सामाजिक एवं महिला सेलिब्रिटी की भागीदारी होगी. युवा एवं महिला मोर्चा के सदस्य शामिल होंगे. इसके अलावा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. 2023 नारी शक्ति के तहत इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा.

भाजपा नेत्री सरोज पांडेय ने कहा कि जिस क्षेत्र में महिलाओं ने काम किया, वहां बेहतर काम किया है. अधिनियम के अस्तित्व में आने के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं संसद में बैठेंगी. जो परिणाम है वो भारत के राजनीति को परिवर्तित करेगा. उस कार्यक्रम को संपादित करने जा रहे हैं।



54 लाख 28 हजार रुपये की लागत से सड़क बत्ती स्ट्रीट लाईट स्थापना का कार्य किया जाना हैं, जिसके तहत 60 नग विद्युत खंभों की स्थापना कर स्ट्रीट लाईट लगाई जाएंगी। आज सीतामणी सामुदायिक भवन में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने उक्त नागरिक सुविधा से जुड़े महत्वपूर्ण